राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 10 जून 2024 वर्ष–7,अंक–137 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैं, नरेंद्र दामोदरदास मोदी...

पहला कॉलम

मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए गंगा मैया की आरती उतारी गई

वाराणसी । प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में उनकी सफलता के लिए नमामि गंगे मिशन के सदस्यों ने रविवार सुबह यहां गंगा घाट पर मां गंगा की आरती उतारी और बाबा विश्वनाथ तथा गंगा मैया से प्रार्थना की।। नमामि गंगे टीम के 10-15 सदस्यों ने गंगा घाट पर मां गंगा की आरती उतारी। कई सदस्यों ने हाथों में पीएम मोदी की तस्वीर और पोस्टर ले रखे थे, जिन पर हर हर गंगे नमामि गंगे, नहीं रुकेंगे स्वच्छ करेंगे हम लिखा था। उन्होंने वंदे मातरम्, गंगा मैया की जय, भारत माता की जय, मोदी-मोदी और हर हर महादेव का उद्घोष भी किया। नमामि गंगे के सदस्यों ने कहा कि काशी के सांसद तीसरी बार शपथ लेंगे। यह हम सबके लिए ऐतिहासिक समय है। मां गंगा-बाबा विश्वनाथ से कामना करते हैं कि वह देश की तरक्की के लिए लगातार प्रयत्नशील रहें और विकसित भारत बनाने में सफल हों।

मालवाहक जहाज पर हूती विद्रोहियों ने दागी मिसाइल, जानमाल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली। अदन की खाड़ी में एंटीगुआ और बारबुडा के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध रूप से यमन के हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से रविवार को हमला कर दिया। मिसाइल जहाज के अगले हिस्से पर गिरी जिससे उसमें आग लग गई लेकिन जहाज में सवार लोगों ने आग पर काबू पा लिया। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने मालवाहक जहाज पर एक और मिसाइल दागी गई लेकिन यह जहाज पर नहीं गिरी। इसके बाद आस-पास छोटी नौकाओं पर सवार लोगों ने पोत पर गोलीबारी की। उसने बताया कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार परिचालन केंद्र' ने भी शनिवार देर रात अदन के समीप उसी क्षेत्र में हमले की सूचना दी, लेकिन इसके बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। हूती विद्रोहियों ने करीब एक दशक पहले यमन की राजधानी पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से ही वह सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन से लड़ रहा है।

नरेंद्र मोदी 2029 में फिर से प्रधानमंत्री बनेंगः हिमंत बिस्वा

गोलपारा । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि नरेंद्र मोदी 2029 में चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का दौरा किया। वह सबसे पहले हनुमान मंदिर गए और आशीर्वाद लिया। फिर अयोध्या में राम लला के दर्शन किए। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे अकेले व्यक्ति हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद वे चौथी बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि देश में 543 लोकसभा सीटें हैं। हर पार्टी कहीं न कहीं जीतेगी और कहीं हारेगी। भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बना रही है। यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि असम सरकार इस साल अयोध्या के राम मंदिर के दर्शन के लिए कम से कम एक लाख लोगों को भेजेगी।

सीकर में लगे भूकंप के झटके लोग घर से बाहर आए, कोई नुकसान नहीं

जयपुर।

राजस्थान के सीकर में शनिवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोग घर हिलता देखर घबरा गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। इसके साथ ही लोगों ने अपने रिश्तेदारों को फोन कर उनका हालचाल जाना। जानकारी के अनुसार राजस्थान के सीकर में देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिनकी रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है। किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप के झटके शनिवार रात 11.47 बजे महसूस किए गए। इससे पहले राजस्थान के पाली में अप्रैल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पिछली बार भी भूकंप के झटके देर रात करीब आए थे। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 3.7 तीव्रता मापी गई थी। भूकंप पहले पृथ्वी की संरचना को समझना होगा। इसके नीचे तरल पदार्थ लावा है और इस पर टैक्टोनिक प्लेट्स तैरती रहती हैं। कई बार ये प्लेट्स आपस में टकरा जाती हैं। बार-बार टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है। जब इससे डिस्टर्बेंस बनता है तो इसके बाद भूकंप आता है। भूकंप को रिक्टर स्केल पर मापा जाता है। रिक्टर स्केल भूकंप की तरंगों की तीव्रता मापने का एक गणितीय पैमाना होता है, इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को एपीसेंटर से 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। ये स्केल भूकंप के दौरान धरती के भीतर से निकली ऊर्जा के आधार पर तीव्रता को मापता है।

नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने,

राष्ट्रपति ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

नई दिल्ली । नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मालूम हो कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए ने बहुमत हासिल किया है। नरेंद्र मोदी (73) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले दूसरे नेता होंगे। नेहरू ने 1952, 1957 और 1962 के आम चुनावों में जीत हासिल की थी।

- इन देशों से आये मेहमान

पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे शामिल हुए है।

- ये हस्तियां पहुंची

पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियां शामिल हुईं। इसमें गौतम अडानी, मुकेश अंबानी समेत तमाम उद्योगपति शामिल हुए। इसके अलावा अभिनेता शाहरुख खान, अक्षय कुमार, रजनीकांत समेत तमाम अभिनेताओं ने हिस्सा लिया है।

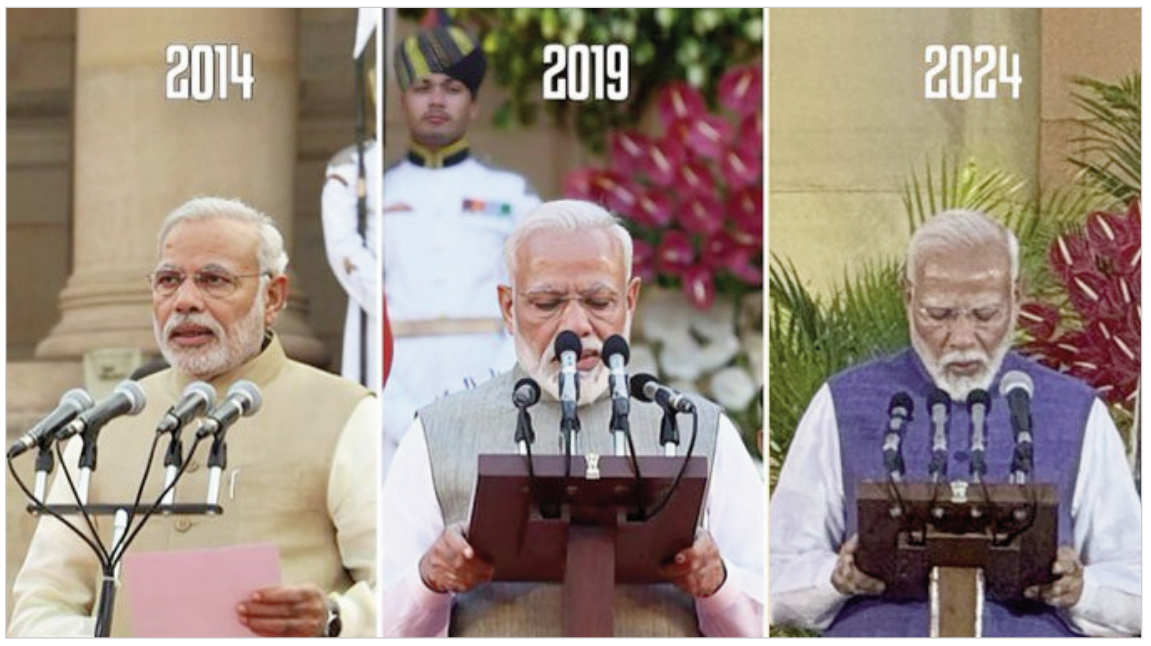

मोदी 3.0 कैबिनेट में 72 मंत्री शामिल, 30 कैबिनेट, 36 राज्यमंत्री और 5 राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार,

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के नतीजे साफ होने के 5 दिन बाद भारत को नई एनडीए सरकार मिल गई है। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार शपथ ग्रहण की है। मोदी के बाद राजनाथ सिंह ने शपथ ली। तीसरे नंबर पर अमित शाह शपथ ग्रहण करने पहुंचे। 2019 में भी शपथ ग्रहण करने का क्रम यही रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कुल 72 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है. इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, 5 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 36 राज्यमंत्री हैं.

1.नरेंद्र मोदी

लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की. उत्तर प्रदेश के वाराणसी से तीसरी बार लोकसभा का चुनाव जीतक सांसद बने हैं.

2.राजनाथ सिंह

उम्र 72 साल, देश के गृह और रक्षा मंत्री रह चुके हैं. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर भी रहे हैं.

3.अमित शाह

उम्र 59 साल, देश के गृह मंत्री और बीजेपी अध्यक्ष रह चुके हैं. लगातार गांधीनगर से दूसरी बार सांसद बने. चार बार गुजरात के विधायक रहे हैं. गुजरात के पूर्व गृह राज्यमंत्री भी हैं.

4.नितिन गडकरी

उम्र 67 साल, 2014 से मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं. बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. लगातार तीसरी बार महाराष्ट्र के नागपुर से चुनाव जीतकर सांसद बने हैं.

5.जेपी नड्डा

उम्र 63 साल, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. 2014 में मोदी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे. हिमाचल सरकार में भी कैबिनेट मंत्री रहे हैं.

6.शिवराज सिंह चौहान

उम्र 65 साल, पहली बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की. मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और मध्य प्रदेश की विदिशा से लोकसभा चुनाव जीते हैं.

7.निर्मला सीतारमन

उम्र 64 साल, पिछली सरकार में वित्त मंत्री रहीं. राज्यसभा से सांसद हैं.

8.एस जयशंकर

उम्र 69 साल, विदेश सचिव के पद से रिटायर होने के बाद देश के विदेश मंत्री बने. 2 बार राज्यसभा से सांसद चुने गए हैं.

9.मनोहरलाल खट्टर

उम्र 70 साल, पहली बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की. 9 साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे. राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के पूर्व प्रचारक हैं और हरियाणा की करनाल से पहली बार सांसद चुने गए हैं.

10.एचडी कुमारस्वामी

उम्र 65 साल, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री हैं. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे हैं और वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं. तीसरी बार लोकसभा सांसद बने हैं. एनडीए के सहयोगी जनता दल सेक्युलर के नेता हैं.

11.पीयूष गोयल

उम्र 60 साल, राज्य सभा में नेता सदन रहे हैं, पहली बार लोकसभा से सांसद चुने गए हैं. इससे पहले राज्यसभा के सदस्य के तौर पर सांसद बन पिछली सरकारों में मंत्री रहे. महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ सीट से सांसद चुने गए हैं.

12.धर्मेंद्र प्रधान

उम्र 54 साल, पिछली सरकार में शिक्षा मंत्री रहे हैं. ओडिशा के संबलपुर से लोकसभा चुनाव जीते हैं.

13.जीतनराम मांझी

उम्र 78 साल, एनडीए गठबंधन के सहयोगी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता हैं. बिहार के पूर्व मुख्यंत्री रहे हैं. दलित समुदाय से आते हैं और पहली बार सांसद बने हैं.

14.ललन सिंह

उम्र 69 साल, एनडीए के सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड के नेता हैं. जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और भुमिहार समाज से आते हैं. मुंगेर से सांसद चुने गए हैं.

15.सर्बानंद सोनोवाल

उम्र 62 साल, असम के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और आदिवासी समुदाय से आते हैं. पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं. असम के डिब्रूगढ़ से लोकसभा चुनाव जीते हैं.

16वीरेंद्र खटीक

उम्र 70 साल, पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं. आठवीं बार सांसद चुने गए हैं. मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ सीट से चुनकर इसबार संसद पहुंचे हैं. मध्य प्रदेश में बड़े दलित नेता माने जाते हैं.

17.के राममोहन नायडू

उम्र 36 साल, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम से सांसद हैं, पूर्व मंत्री येरेन नायडू के बेटे हैं. इसबार सबसे युवा कैबिनेट मंत्री हैं.

18.प्रहलाद जोशी

उम्र 61 साल, कर्नाटक के धारवाड़ से पांचवीं बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष हैं और पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं.

19.जुएल ओराम

उम्र 63 साल, ओडिशा के सुंदरगढ़ से सांसद चुने गए हैं. अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रह चुके हैं. छठी बार सांसद चुने गए हैं. बड़े आदिवासी चेहरे के तौर पर पहचाने जाते हैं.

20.गिरिराज सिंह

उम्र 71 साल, पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हैं. लगातार तीसरी बार बिहार के बेगूसराय से सांसद चुने गए हैं. बिहार सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं.

21.अश्विनी वैष्णव

उम्र 54 साल, पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हैं. ब्यूरोक्रेसी से इस्तीफा देकर राजनीति में एंट्री ली और फिलहाल ओडिशा से राज्यसभा सांसद हैं.

22.ज्योतिरादित्य सिंधिया

उम्र 53 साल, 2020 में कांग्रेस से बीजेपी में आए और कैबिनेट मंत्री बनाए गए. 5वीं बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. मध्य प्रदेश की गुना सीट से सांसद हैं.

23.भूपेंद्र यादव

उम्र 55 साल, राजस्थान के अलवर से पहली बार लोकसभा सांसद का चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में पर्यावरण मंत्री थे. बीजेपी के रणनीतिकार के तौर पर पहचाने जाते हैं.

24.गजेंद्र सिंह शेखावत

उम्र 57 साल, दूसरी बार राजस्थान के जोधपुर से लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में जलशक्ति मंत्री रहे.

25.अन्नपूर्णा देवी

उम्र 54 साल, झारखंड के कोडरमा से सांसद हैं और ओबीसी समुदाय से आती हैं. पिछली सरकार में शिक्षा राज्यमंत्री थीं और दूसरी बार लोकसभा का चुनाव जीती हैं.

26.किरेन रिजिजू

उम्र 52 साल, अरुणाचल वेस्ट सीट से लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं और नॉर्थ ईस्ट में बीजेपी के बड़े चेहरों में शामिल हैं.

27.हरदीप पुरी

उम्र 72 साल, उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और पिछली सरकार में मंत्री रहे हैं. IFS से रिटायरमेंट के बाद राजनीति में आए.

28.मनसुख मांडविया

उम्र 51 साल, गुजरात के पोरबंदर से पहली बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे.

29.जी किशन रेड्डी

उम्र 64 साल, तेलंगाना की सिकंदराबाद सीट से लगातार दूसरी बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में पर्यटन-संस्कृति मंत्री रहे.

30.चिराग पासवान

उम्र 41 साल, बिहार के हाजीपुर से सांसद हैं. एनडीए के सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के नेता हैं. पहली बार केंद्रीय मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की.

31.सीआर पाटिल

उम्र 59 साल, गुजरात बीजेपी के अध्यक्ष हैं और नवसारी सीट से सांसद चुने गए हैं. लगातार चौथी बार चुनाव जीते हैं. 2019 में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया था.

- ये हैं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1.राव इंद्रजीत सिंह

उम्र 74 साल, हरियाणा के गुड़गांव से सांसद हैं. पिछली सरकार में योजना राज्यमंत्री थे. 2014 चुनाव के समय कांग्रेस से बीजेपी में आए

2.जीतेंद्र सिंह

उम्र 67 साल, जम्मू कश्मीर की उधमपुर सीट से लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में भी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहे हैं.

3.अर्जुन राम मेघवाल

उम्र 70 साल, राजस्थान के बीकानेर से सांसद हैं. पिछली सरकार में कानून मंत्री रहे हैं. राजस्थान के दलित चेहरे हैं और राजनीति में आने से पहले IAS अधिकारी रहे हैं.

4.प्रताप राव जाधव

उम्र 63 साल, महाराष्ट्र की बुलढाणा सीट से सांसद हैं और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं. तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीते हैं और पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं.

5.जयंत चौधरी

उम्र 45 साल, एनडीए की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष हैं. उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं और पहली बार केंद्र में मंत्री बनेंगे. पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पोते हैं.

6.जितिन प्रसाद

उम्र 50 साल, उत्तर प्रदेश की पीलीभीत सीट से सांद हैं. 2021 में कांग्रेस से बीजेपी में आए. मनमोहन सिंह सरकार में भी मंत्री रहे.

7.श्रीपद नाइक

उम्र 61 साल, नॉर्थ गोवा सीट से लगातार छठी बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. पिछली सरकार में भी मंत्री रहे हैं.

8.पंकज चौधरी

उम्र 59 साल, उत्तर प्रदेश की महाराजगंज सीट से लोकसभा चुनाव जीते हैं. ओबीसी समुदाय से आते हैं और पिछली सरकार में भी मंत्री रहे हैं.

9.कृष्णपाल गुर्जर

उम्र 67 साल, हरियाणा के फरीदाबाद से सांसद हैं. पिछली सरकार में ऊर्जा राज्य मंत्री थे और लगातार तीसरी बार चुनाव जीते हैं.

10.रामदास अठावले

उम्र 64 साल, महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद हैं. एनडीए के सहयोगी दल रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख हैं. पिछली सरकार में भी मंत्री रहे हैं.

11.रामनाथ ठाकुर

उम्र 74 साल, बिहार से राज्यसभा सांसद हैं. भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के बेटे हैं. एनडीए की सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के नेता हैं और अति पिछड़ा वर्ग से आते हैं.

12.नित्यानंद राय

उम्र 58 साल, बिहार की उजियारपुर सीट से सांसद हैं. पिछली सरकार में भी गृह राज्यमंत्री थे और लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. बिहार बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष हैं.

13.अनुप्रिया पटेल

उम्र 43 साल, उत्तर प्रदेश की मिर्जापुर लोकसभा सीट से सांसद हैं. एनडीए की सहयोगी पार्टी अपना दल (सोनेवाल) की अध्यक्ष हैं. पिछली सरकार में मंत्री रही हैं.

14.वो सोमन्ना

उम्र 73 साल, कर्नाटक की तुमकुर सीट से सांसद हैं. पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं.

15.पी चंद्रशेखर

उम्र 48 साल, देश के सबसे अमीर सांसद हैं. आंध्र प्रदेश के गुंटूर से पहली बार लोकसभा चुनाव जीते हैं. पहली बार ही केंद्र में मंत्री बन रहे हैं.

16.एसपी सिंह बघेल

उम्र 64 साल, उत्तर प्रदेश की आगरा सीट से चुनाव जीते हैं. दलित समुदाय से आते हैं और पिछली सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं. एक बार राज्यसभा और पांच बार के लोकसभा सांसद हैं.

17.शोभा करंदलाजे

उम्र 57 साल, कर्नाटक की बेंगलुरु नॉर्थ सीट से सांसद हैं. पिछली सरकार में कृषि राज्य मंत्री थीं. वोक्कालिगा समाज से आती हैं.

18.कीर्तिवर्धन सिंह

उम्र 58 साल, उत्तर प्रदेश की गोंडा से सांसद हैं. पहली बार मंत्री बन रहे हैं. पांचवीं बार के सांसद हैं.

19.बीएल वर्मा

उम्र 62 साल, उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं. 2020 में पहली बार सांसद बने और पिछली सरकार में राज्यमंत्री बनाए गए. ओबीसी समुदाय से आते हैं.

20.शांतनु ठाकुर

उम्र 41 साल, पश्चिम बंगाल की बनगांव सीट से सांसद चुने गए हैं. मटुआ समाज से आते हैं और पिछली सरकार में भी राज्यमंत्री रहे हैं.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पानी की कसक

यह विडंबना ही है कि भीषण गर्मी में देश की राजधानी में जल संकट को सुलझाने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है। जिस समस्या को सुलझाने के लिये शासन-प्रशासन को सजग होना चाहिए था, उसको लेकर शीर्ष अदालत को निर्देश देने पड़ रहे हैं। कोर्ट ने दो राज्यों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि दिल्ली के लिये अतिरिक्त पानी का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित हो। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में जीवनदायी पानी को लेकर राजनीति तो नहीं ही होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार से कहा है कि हिमाचल प्रदेश जिस 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी को दिल्ली हेतु छोड़ने के लिये राजी हुआ, उसका दिल्ली तक पहुंचना सुनिश्चित करे। वैसे तो देश के कई राज्यों में नदियों के जल बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद जारी हैं, विवाद सुलझाने को कई प्राधिकरण भी बने हैं, लेकिन कम से कम पेयजल संकट के दौरान राजनीति नहीं की जानी चाहिए। एक तथ्य यह भी कि अतिरिक्त पानी देने वाले हिमाचल की सीमा दिल्ली से नहीं लगती, इसलिए हरियाणा के वजीराबाद बैराज के माध्यम से दिल्ली को अतिरिक्त पानी भेजा जा सकता है। बहरहाल, जानलेवा गर्मी के बीच दिल्ली जल संकट को दूर करने के लिये अदालत के हस्तक्षेप के बाद राज्यों में सहयोग तथा जल संसाधनों के तर्कसंगत प्रबंधन की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आबादी के लगातार बढ़ते दबाव के बीच जल संकट हर साल गर्मियों में गहरा जाता है। राष्ट्रीय राजधानी अपनी जल आपूर्ति के लिये पड़ोसी राज्यों पर ही निर्भर रही है। जिसके मूल में जल प्रबंधन में संवेदनहीनता व अक्षमता भी उजागर होती है। दिल्ली सरकार भी सारे साल प्रयास करने के बजाय सिर्फ गर्मियों में संकट पैदा होने पर हाथ-पांव मारती नजर आती है। दरअसल, दिल्ली सरकार अकसर कहती है कि कारगर तंत्र के अभाव में राज्य को न्यायसंगत ढंग से पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती है। जिसके मूल में जलप्रबंधन में प्रणालीगत अंतर्विरोध भी निहित हैं। वहीं दूसरी ओर हरियाणा अकसर अपनी पानी की जरूरतों तथा हिमाचल प्रदेश से अतिरिक्त जल आपूर्ति मापने के लिये स्पष्ट तंत्र की कमी की बात कहता रहा है। दिल्ली सरकार कहती है कि हरियाणा उसके हिस्से का पानी नहीं पहुंचने देता है। दरअसल, जब दिल्ली व हरियाणा में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होती हैं तो जल संकट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति शुरू हो जाती है। दूसरी ओर, इस विवाद में मध्यस्थता करने के लिये बने ऊपरी यमुना नदी बोर्ड की कार्यक्षमता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि नदी बोर्ड जल प्रबंधन के लिए सबके सहयोग से पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाया जाए। निस्संदेह, गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी न मिलना जन स्वास्थ्य के लिये भी खतरा है। जिसके लिये जल प्रबंधन स्थायी और न्यायसंगत ढंग से करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दिल्ली सरकार की शिकायत पर जहां सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार को अतिरिक्त पानी देने तथा हरियाणा सरकार को जल प्रवाह बाधा मुक्त बनाने को कहा है, वहीं दिल्ली के लोगों से कहा है कि वे पानी की बर्बादी रोकें। साथ ही जल प्रबंधन से जुड़ी अक्षमताओं को दूर करने को कहा गया है।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

आर्थिक विकास के दृष्टि से वित्तीय वर्ष 2023-24 भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

हाल ही में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए विकास से सम्बंधित आंकड़े जारी किये गए है। इसके अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत की आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक एवं वैश्विक स्तर पर कार्यरत विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाते हुए कहा था कि यह 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी। परंतु, वित्तीय 2023-24 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर इन अनुमानों से कहीं अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में भी भारत की आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है जो पिछले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। पूरे विश्व में प्रथम 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की आर्थिक विकास दर भारत की आर्थिक विकास दर के कहीं आसपास भी नहीं रही है। अमेरिका की आर्थिक विकास दर 2.3 प्रतिशत, चीन की आर्थिक विकास दर 5.2 प्रतिशत, जर्मनी की आर्थिक विकास दर तो ऋणात्मक 0.3 प्रतिशत रही है। जापान की आर्थिक विकास दर 1.92 प्रतिशत, ब्रिटेन की 0.1 प्रतिशत, फ्रान्स की 0.9 प्रतिशत, ब्राजील की 2.91 प्रतिशत, इटली की 0.9 प्रतिशत एवं कनाडा की 1 प्रतिशत रही है, वहीं भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत रही है। 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर को देखते हुए अब तो ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2027 तक जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निश्चित ही बन जाएगा।

विनिर्माण, खनन, भवन निर्माण एवं सेवा क्षेत्र, यह चार क्षेत्र ऐसे हैं जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद को तेजी से आगे बढ़ाने में अपना विशेष योगदान देते हुए नजर आ रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो पा रहा है।

वास्तविक सकल मान अभिवृद्धि के आधार पर, वित्तीय वर्ष 2023-24 की चतुर्थ तिमाही में विनिर्माण के क्षेत्र में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की जा सकी थी। इसी प्रकार, खनन के क्षेत्र में भी इस वर्ष की चतुर्थ तिमाही में वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2.9 प्रतिशत की रही थी। भवन निर्माण के क्षेत्र में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत की रही थी। नागरिक प्रशासन, सुरक्षा एवं अन्य सेवाओं के क्षेत्र में वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई है। ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में 7.3 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष चौथी तिमाही में 7.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। परंतु, कृषि, सेवा एवं वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में कुछ कम रही है।

वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के सकल घरेलू उत्पाद में लगातार कम हो रही वृद्धि दर के बावजूद भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि दर का होना यह दर्शाता है कि अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं में आ रही परेशानियों का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर नहीं के बराबर हो रहा है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर तेज गति से आर्थिक वृद्धि करने में सफल हो रही है।

परंतु, भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिन पर, आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे, हाल ही के समय में भारत में निजी खपत नहीं बढ़ पा रही है और यह 4 प्रतिशत की दर पर ही टिकी हुई है। साथ ही, निजी क्षेत्र में पूंजी निवेश भी नहीं बढ़ पा रहा है। भारत में निजी खपत कुल सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत है। यदि सकल घरेलू उत्पाद के इतने बड़े हिस्से में वृद्धि नहीं होगी अथवा कम वृद्धि दर होगी तो देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी विपरीत रूप से प्रभावित होगी। भारत में निजी खपत इसलिए भी नहीं बढ़ पा रही है क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 में घरेलू देयताएं सकल घरेलू उत्पाद के 5.7 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं हैं एवं बचत की दर भी सकल घरेलू उत्पाद के 5.2 प्रतिशत पर अपने निचले स्तर पर आ गई है, जो 10 वर्ष पूर्व 7 प्रतिशत से अधिक थी।

वहीं दूसरी ओर, दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल कर लिया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, केवल दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और अब यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। उक्त सफलताओं के साथ ही, भारत ने अपने आर्थिक विकास की दर को तेज रखते हुए अपने राजकोषीय घाटे पर भी नियंत्रण स्थापित कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत का राजकोषीय घाटा 17 लाख 74 हजार करोड़ रुपए का रहा था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 16 लाख 54 हजार करोड़ रुपए का रह गया है। यह राजकोषीय घाटा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5.8 प्रतिशत था जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में घटकर 5.6 प्रतिशत रह गया है। भारत के राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 5.1 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4.5 प्रतिशत तक नीचे लाने के प्रयास केंद्र सरकार द्वारा सफलता पूर्वक किए जा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रान्स, जर्मनी जैसे विकसित देश भी अपने राजकोषीय घाटे को कम नहीं कर पा रहे हैं परंतु भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान यह बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का खर्च उसकी आय से अधिक होने पर इसे राजकोषीय घाटा कहा जाता है। केंद्र सरकार ने खर्च पर नियंत्रण किया है एवं अपनी आय के साधनों में अधिक वृद्धि की है। यह लम्बे समय में देश के आर्थिक स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बहुत महत्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया है।

उच्च शिक्षा में वाजिब ऊंचाई का इंतजार

हरिवंश चतुर्वेदी, मुख्य शिक्षा सलाहकार, बिमटेक

दुनिया भर के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग बताने वाली कुकक्रेरेली साइमंड्स (क्यूएस) संस्था ने साल 2025 की अपनी रैंकिंग जारी की है, जिससे भारतीय विश्वविद्यालयों की संवर रही तस्वीर की कुछ झलक दिखती है। पूर्व की तरह इस वर्ष भी रैंकिंग में शीर्ष पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) काबिज है, जबकि चार अन्य स्थान क्रमशः इम्पीरियल कॉलेज, ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के नाम हैं। मगर भारतीय शिक्षण संस्थानों ने भी अपनी रैंकिंग ठीक-ठाक सुधारी है। जैसे, आईआईटी, बॉम्बे को इस बार 118वां स्थान मिला है, जबकि पिछली रैंकिंग में वह 149वें पायदान पर थी। आईआईटी, दिल्ली भी पिछली बार के 197वें स्थान से 150वें पायदान पर पहुंच गई है। इस वर्ष रैंकिंग में शामिल हमारे शीर्ष दस संस्थानों में सबसे अधिक आईआईटी (सात) हैं, जबकि शेष तीन संस्थानों में आईआईएस (211वीं रैंकिंग), दिल्ली यूनिवर्सिटी (328) और अन्नामलाई यूनिवर्सिटी (323) शामिल हैं।

सवाल है कि क्यूएस ही नहीं, अन्य दो प्रतिष्ठित रैंकिंग- एसजेटीयू व टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में सिर्फ आईआईटी, डीयू-जेएनयू-जामिया मिल्लिया-बीएचयू जैसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और कुछ निजी विश्वविद्यालय ही क्यों शुमार होते हैं? बाकी शिक्षण संस्थान मानकों पर क्यों खरे नहीं उतर पाते? इसकी एक वजह तो इन रैंकिंग की रूपरेखा है, जो काफी हद तक पश्चिमी विश्वविद्यालयों के अनुकूल होती है। इनमें कैंपस में विविधता, छात्रों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, शोध-कार्य, बुनियादी ढांचा, ब्रांड-वैल्यू आदि तमाम कसौटियों पर संस्थानों को परखा जाता है। ऐसे में, उन भारतीय संस्थानों को इसमें परोक्ष लाभ मिलता है, जो आजादी के पहले या स्वतंत्रता के तुरंत बाद खोले गए, क्योंकि उनको लगातार धनराशि मिलती रहती है। वे इसका जो हिस्सा खर्च नहीं कर पाते, वह धन 'सरप्लस' के रूप में उनके पास जमा रह जाता है और इन पर मिलने वाला ब्याज आदि उनके लिए 'अक्षय निधि' बन जाता है। चूंकि ये पुराने संस्थान हैं, इसलिए इनका यह फंड भी करोड़ों रुपये में हो गया है, जिसका इस्तेमाल ये अपने हित में करते रहते हैं। यह सुविधा अन्य संस्थानों को हासिल नहीं है।

बेशक, तमाम संस्थानों में ट्यूशन फीस ली जाती है, पर यह उनकी कुल आमदनी का बमुश्किल 10 से 20 फीसदी हिस्सा होती है। आमदनी के अन्य स्रोतों का अधिकतम इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन-पेंशन आदि में किया जाता है। फिर, उच्च शिक्षा वित्तीयन एजेंसी (हेफा) से जो ब्याज रहित या नाममात्र ब्याज पर कर्ज मिलता है, वह अमूमन केंद्रीय विश्वविद्यालयों या अच्छे संस्थानों के ही खाते में जाता है। इससे स्वाभाविक ही राज्य-स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थिति दयनीय हो जाती है। फिर, राज्यों की आमदनी अलग-अलग है और उनका प्रबंधन भी। आलम यह है कि अब भी हमारे देश में कुल जीडीपी का बमुश्किल तीन फीसदी हिस्सा ही शिक्षा पर खर्च किया जाता है, जबकि 1968 की पहली शिक्षा नीति में इसे छह प्रतिशत करने की वकालत की गई थी। जब राज्य सरकारों के पास पैसे होंगे ही नहीं, तो वे छह फीसदी कैसे खर्च करेंगी?

यहां यह नहीं समझा जाना चाहिए कि उच्च शिक्षा में महंगी फीस की वकालत की जा रही है। कम फीस के कारण ही देश में कई ऐसे छात्र उच्च शिक्षा हासिल कर पाते हैं, जिनकी आर्थिक हैसियत निजी विश्वविद्यालयों में पढ़ने की नहीं होती। मगर सच यह भी है कि राज्य के शिक्षण संस्थानों में शोध-कार्यों के लिए पर्याप्त साधन नहीं हैं, पुस्तकालयों में प्रचुर मात्रा में किताबें नहीं हैं और प्रयोगशालाओं में उचित उपकरण नहीं हैं। इस सूरतेहाल में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई होगी कैसे?

इसका एक उपाय यह हो सकता है कि जो छात्र विपन्न हों, उनसे पूर्ववत फीस ली जाए, पर जो महंगी फीस का भार उठाने में सक्षम हैं, उनसे कुछ अधिक फीस वसूली जाए। हमें यह भी समझना होगा कि अच्छी उच्च शिक्षा के लाभार्थी सिर्फ विद्यार्थी नहीं होते, बल्कि वे संस्थाएं भी होती हैं, जो बच्चों की शिक्षा या कौशल का इस्तेमाल करती हैं। इन कंपनियों से शिक्षण संस्थानों में निवेश करवाया जा सकता है। अगर कंपनियां सीधे निवेश नहीं कर सकतीं, तो कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) में यह प्रावधान बनाया जा सकता है कि अगर वे अपने सीएसआर मद का तय हिस्सा किसी शिक्षण संस्थान में खर्च करेंगी, तो उनको इन्सेंटिव या टैक्स में छूट मिलेगी।

जाने-माने कारोबारी नौशाद फोर्ब्स ने अपनी किताब द स्ट्रगल ऐंड द प्रॉमिस में लिखा है कि हम शोध-अनुसंधान पर जितना खर्च करते हैं, उसका 80 से 90 फीसदी हिस्सा देश के 47 सरकारी प्रयोगशालाओं को चला जाता है। हम इस पैसे को सालाना पांच फीसदी की दर से यदि कम करते जाएं और ये पैसे सरकारी शिक्षण संस्थानों को मुहैया कराएं, तो वहां शिक्षा और शोध-कार्य, दोनों सुधर जाएंगे, उनकी रैंकिंग में बेहतर हो जाएगी। इसी तरह, एक सुझाव यह भी हो सकता है कि जो संस्थान अपनी वैश्विक रैंकिंग सुधारते हैं, उनको इन्सेंटिव दिए जाएं। इस इन्सेंटिव का इस्तेमाल शिक्षकों-कर्मचारियों की बेहतरी पर किया जा सकता है, क्योंकि राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों के करीब 99 फीसदी अध्यापकों के पास आज भी लैपटॉप जैसे आधुनिक उपकरण नहीं हैं। अगर हम अमेरिका, ब्रिटेन जैसे देशों से मुकाबला करना चाहते हैं, तो हमें अपने शिक्षकों-कर्मचारियों की गुणवत्ता सुधारनी ही होगी।

यहां हम चाहें, तो चीन से भी सबक ले सकते हैं। उसने पिछले कुछ दशकों में अपने उन नागरिकों को वापस बुलाया है, जो पढ़ने के लिए विदेश गए और वहीं के होकर रह गए। अध्यापन कर्म में लगे ऐसे चीनी नागरिकों को स्वदेश में वे तमाम सुविधाएं दी गईं, जो उन्हें विदेश में मिल रही थीं। इसका फायदा चीन की शिक्षा-व्यवस्था में दिखा है। हमारे देश में भी आईआईटी, आईआईएम या कुछ केंद्रीय व निजी विश्वविद्यालयों के छात्र उच्च शिक्षा हासिल करने विदेश जाते हैं और वहीं कॉलेजों में अपना भविष्य देखते हैं। उनको स्वदेश बुलाना चाहिए और उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, मुश्किल यह भी है कि देश के कई संस्थानों में भाई-भतीजावाद इस कदर हावी है कि वहां कुलपति तक की नियुक्ति शायद ही प्रतिभा के आधार पर होती है। हमें ऐसे संस्थानों को भी चिह्नित करके वहां पारदर्शी व्यवस्था बनानी होगी, तभी वे अन्य वैश्विक संस्थानों के साथ कदमताल कर सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विचार मंथन

पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाला भरोसा

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

कहते हैं दो लोगों के रिश्ते तभी तक चलते हैं, जब तक कि दोनों के दरमियां एक भरोसा कायम है। जहां किसी एक का भी भरोसा टूटा, रिश्ता लंगड़ा-लूला, गूंगा-बहरा यानी कि अपंगता को प्राप्त हो जाता है। ऐसा रिश्ता बहुत दिनों तक ढोया नहीं जा सकता। इसलिए वक्त से पहले दरारों को भरने और किसी प्रकार का कोई भ्रम पैदा न हो, इसकी कोशिशें भी करते रहने की सलाह दी जाती है। बहरहाल यहां बात हम पारिवारिक पति-पत्नी वाले रिश्तों की नहीं कर रहे बल्कि दो देशों के बीच बनने वाले प्रगाढ़ रिश्तों की कर रहे हैं। याद दिलाते चलें कि जिस पड़ोसी की बात हम करने जा रहे हैं, उससे हमारे रिश्ते पहले कभी भाई-भाई के रहे हैं। जब भरोसा परवान चढ़ा और तत्कालीन सरकार ने हर तरह के रास्ते खोलने और करीबी रिश्तों में आने की बात कही तो सीमा पार से उसी ने एक बड़ा धोखा दिया और हिंदी-चीनी भाई-भाई वाले रिश्ते पलभर में ही जमींदोज हो गए। आज वही चीन एक बार फिर अपना असली चेहरा दिखाने को तैयार दिख रहा है। दरअसल इस दुनियां की जन्नत कहे जाने वाले हमारे जम्म-कश्मीर को लेकर चीन ने पाकिस्तानी राग के साथ अपना बेसुरा राग मिलाने जैसा काम कर दिखाया है। अब पाकिस्तानी-चीनी भाई-भाई के नारे बुलंद करते ये दोनों ही मुल्क भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम कर रहे हैं। पाक और चीन ने शनिवार को ही संयुक्त बयान में दक्षिण एशिया में कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करने का एहद किया है। यहां समझ लें कि पाकिस्तान के लिए ऐसा इसलिए भी जरुरी है क्योंकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन यात्रा पर हैं। ऐसे में यदि पीएम शहबाज कश्मीर की बात नहीं करते तो वो अपने आकाओं और रणनीतिकारों के सामने कौन सा मुंह लेकर जाते और ऐसे में तो वो जवाबदेह बन जाते। उनकी मजबूरी तो समझ में आती है, लेकिन चीन और उनके रणनीतिकारों को क्या हो गया है, जो भारत के खिलाफ इस कदर जहर उगलने को बाध्य हो रहे हैं। चीन तो पाकिस्तान की तरह राजनीतिक और आर्थिक संकट के दौर से तो नहीं गुजर रहा है। उसे तो सच बोलना चाहिए और सच का ही साथ देना चाहिए, लेकिन वह ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि बेमतलब दबाव बनाया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को दबाने और अपनी मर्जी से कुछ और गलत कार्यों को करने का रास्ता बना सके।

गौरतलब है कि दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा पर थे, जो कि अब समाप्त हो चुकी है, लेकिन इस दौरान वो अपने मकसद को पाने में सफल रहे हैं। दरअसल इस यात्रा से चीनी निवेश और सहायता को बढ़ाने का मकसद तो था सो था लेकिन उन्हें यह भी दिखलाना था कि चीन उनके साथ हर स्थिति में खड़ा हुआ है। एक तरफ पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो दूसरी तरफ आतंकवादी गतिविधियों के चलते सुरक्षा दृष्टि से भी गंभीर संकट देश में उत्पन्न हो गया है। अनेक चीनी अधिकारी पाकिस्तान में निर्माण कार्य करते हुए मारे जा चुके हैं, जिसका जवाब पाकिस्तान सरकार को देते नहीं बना है। अत- लीपापोती करते हुए कार्य को आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने चीन पहुंचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने लगे हाथ कश्मीर का मसला उठाकर अपने आकाओं को भी खुश करने जैसा काम कर दिखाया है। गौर करने वाली बात तो यह भी है कि एक तरफ भारत जैसे बड़े बाजार को चीन खोना नहीं चाहता और दूसरी तरफ वह यह भी नहीं चाहता है कि भारत के रिश्ते किसी और देश से बेहतर हों। ऐसे में वह आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले देशों को आर्थिक मदद पहुंचा कर भारत के खिलाफ एक षडयंत्र रचने का काम करता है तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह संभवतः उसकी नीति और नीयत में विद्यमान है। इसलिए लगातार यह कहा जाता रहा है कि भारत अपनी विदेश नीति के तहत दूसरे देशों से संबंध बनाए। सच्चे दोस्तों से बराबर मेल-जोल रखे और नए रिश्ते बनाने या व्यापार शुरु करने से पहले यह जान ले कि ऐसा करने से हमारे पुराने दोस्तों को किसी तरह का कोई आघात तो नहीं लगने वाला है। पिछले कुछ सालों में ऐसा देखने को मिला है कि व्यापार के नाम पर हमने अपने शुभचिंतक मित्र देशों से दूरी बना ली है, जिस कारण अब वो देश सिर उठाने लगे हैं जो पहले कभी हमारी तरफ दीन-हीन भावना के साथ कातर नजरों से देखते रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम किसी गुट के हिस्सेदार नहीं हैं। हम तटस्थ रहते हुए भी विश्व शांति और समृद्धि के लिए बेहतर कार्य कर रहे थे और आगे भी करते रह सकते हैं। रेखांकित करने वाली बात तो यह भी है कि हमारे देश की सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। नीति और आचरण के कारण ही पाकिस्तान जैसे देश की आवाम भी हमारे साथ बेहतर संबंध बनाने की सदा से हिमायती रही है। यह अलग बात है कि पाकिस्तान के कट्टर रणनीतिकार और लोकतंत्र पर सदा हावी रहने वाली सेना कभी नहीं चाहेगी कि भारत से उनके देश के संबंध बेहतर हों। इसलिए पाकिस्तान के नेता पूरी दुनियां में घूम-घूम कर भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करते हैं। बावजूद इसके चीन नासमझ बनते हुए पाकिस्तान के राग में अपना राग मिलाता है तो यह भारत के लिए सोचने की बात है कि वह उसके साथ भी कैसा व्यवहार करे, ताकि वह भी कहीं और कुछ बोलने के लायक ही न रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इक्सिगो का आईपीओ 10 जून से खुलेगा

नई दिल्ली । ट्रैवल वेबसाइट इक्सिगो की प्रवर्तक कंपनी ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी का आईपीओ सोमवार से खुल रहा है। आम निवेशक बुधवार तक इसके लिए बोली लगा सकते हैं। इक्सिगो आईपीओ का इश्यू साइज 740 करोड़ रुपये का है। इसमें फ्रेश इश्यू 120 करोड़ रुपये का और ऑफर फॉर सेल 620 करोड़ रुपये का है। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 88 रुपये से लेकर 93 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसका लॉट साइज 161 शेयरों का है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,973 रुपये का निवेश करना होगा। कंपनी ने शुक्रवार को बताया था कि उसने आईपीओ खुलने से पहले एंकर निवेशकों से 333 करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एंकर बुक में 23 फंड्स ने भाग लिया है। आईपीओ का 75 प्रतिशत हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत खरीदारों और 10 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित रखा गया है। आईपीओ का अलॉटमेंट 13 जून को होगा। रिफंड और शेयर डीमैट अकाउंट में 14 जून को क्रेडिट होंगे। वहीं शेयर एनएसई और बीएसई पर 18 जून को सूचीबद्ध होंगे। इक्सिगो एक ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी है जिसका फोकस मझोले और छोटे शहरों के ट्रैवलर्स पर है। वित्त वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीने में कंपनी की आय 491 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी को 66 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

अप्रैल में 448 अवसंरचना परियोजनाओं की लागत 5.55 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अप्रैल 2024 में 150 करोड़ रुपये से अधिक की 448 अवसंरचना परियोजनाओं की लागत कुल 5.55 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई है। मंत्रालय 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक मूल्य की अवसंरचना परियोजनाओं पर नजर रखता है। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसी 1,838 परियोजनाओं में 448 की लागत में बढ़ोतरी हुई है और 792 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में अप्रैल 2024 के बारे में कहा गया है कि 1,838 परियोजनाओं के कार्यान्वयन की कुल मूल लागत 27,64,246.50 करोड़ रुपये थी और अब उनकी अनुमानित समापन लागत 33,19,601.84 करोड़ रुपये है। इससे लागत में 5,55,355.34 करोड़ रुपये की कुल बढ़ोतरी को दर्शाता है। इन परियोजनाओं पर अप्रैल 2024 तक कुल 16,92,997.5 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 51 प्रतिशत है। रिपोर्ट में हालांकि कहा गया है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की ताजा समयसारिणी के अनुसार गणना की जाए तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या घटकर 514 हो सकती है।

एफपीआई ने जून में घरेलू शेयरों से 14,800 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों ने इस महीने के पहले हफ्ते में घरेलू शेयरों से करीब 14,800 करोड़ रुपये निकाले। भारत के आम चुनाव के नतीजों और चीन के शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन से प्रभावित होकर उन्होंने ऐसा किया। चुनाव नतीजों की अनिश्चितता, मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बांड प्रतिफल में लगातार बढ़ोतरी के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में 25,586 करोड़ रुपये और अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुतो बिक इससे पहले, एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था। उन्होंने जनवरी में 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने सात जून तक 14,794 करोड़ रुपये की निकासी की। भारत में आम चुनाव के नतीजों ने जून में भारतीय इक्विटी बाजारों में विदेशी निवेशकों के प्रवाह को काफी प्रभावित किया। बाजार के जानकारों ने कहा कि चीनी शेयरों को लेकर एफपीआई की निराशा खत्म होती दिख रही है और हांगकांग एक्सचेंज में सूचीबद्ध चीनी शेयरों में निवेश बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि चीनी शेयरों का मूल्यांकन बहुत आकर्षक हो गया है। दूसरी ओर एफपीआई ने ऋण बाजार में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया।

इस सप्ताह वैश्विक रुझान शेयर बाजार की चाल तय करेंगे

- कच्चे तेल और जिंस की कीमतों से भी बाजार की चाल तय होगी

मुंबई ।

इस सप्ताह फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले, घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़े और वैश्विक रुझान शेयर बाजार की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह आम चुनाव के नतीजों और आरबीआई नीति समीक्षा के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों ने कहा कि लोकसभा चुनाव और आरबीआई नीति समीक्षा के नतीजे आ चुके हैं। अब निवेशकों का ध्यान वैश्विक कारकों पर है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, कच्चे तेल और जिंस की कीमतों से बाजार की चाल तय होगी। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति, चीन में सीपीआई मुद्रास्फीति, ब्रिटेन में जीडीपी के आंकड़े, अमेरिका में सीपीआई के आंकड़े और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से बाजार की आगामी दिशा तय होगी। आने वाले दिनों में बाजार में अस्थिरता कम होने की संभावना भी है। बाजार पर इस सप्ताह आरबीआई के ब्याज दरों को यथावत रखने से दर-संवेदनशील समूहों में लिवाली जारी रह सकती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में एक फिर राजग की सरकार बनने से बाजार समर्थित नीतियों के आगे भी जारी रहने का सेंसेक्स और निफ्टी पर असर देखा जा सकेगा। इनके अलावा वैश्विक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा।

एआई चिप बनाने वाली कंपनी के शेयरों में 5.16 फीसदी तेजी

-एनवीडिया दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बनी

नई दिल्ली । एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया के शेयरों में 5.16 फीसदी तेजी आई और इसका मार्केट कैप 3.011 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। इसके साथ ही इसने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को पछाड़ दिया है। ऐपल का मार्केट कैप 3.003 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। माइक्रोसॉफ्ट 3.151 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। एनवीडिया तीन ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप छूने वाली अमेरिका की तीसरी कंपनी है। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल यह मुकाम हासिल कर चुकी हैं। इस साल एनवीडिया के शेयरों में 155 फीसदी तेजी आ चुकी है। इससे कंपनी का मार्केट कैप 1.83 ट्रिलियन डॉलर बढ़ा है। एआई चिप की डिमांड में तेजी का सबसे ज्यादा फायदा सेंटा क्लारा हेडक्वार्टर वाली कंपनी एनवीडिया को ही मिला है। पिछले साल कंपनी के शेयरों में 239 फीसदी तेजी आई थी जबकि इस साल यह 155 फीसदी चढ़ चुका है। कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग ने हाल में कहा था कि कंपनी 2026 में अपना सबसे एडवांस्ड एआई चिप प्लेटफॉर्म रुबिन लॉन्च करेगी। यह ब्लेकवेल का स्थान लेगा जो डेटा सेंटर्स को चिप सप्लाई करता है। इसे मार्च में लॉन्च किया गया था और तब कंपनी ने इसे दुनिया का सबसे पावरफुल चिप बताया था। दुनिया में एआई चिप की बिक्री में एनवीडिया की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। यही वजह है कि दुनिया के एनालिस्ट्स को लगता है कि कंपनी का शेयर अभी और ऊपर जा सकती है। ताइवान में जन्मे हुआंग ने साल 1993 में एनवीडिया की स्थापना की थी। कंपनी में उनकी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एनवीडिया के शेयरों में तेजी से हुआंग की नेटवर्थ भी रॉकेट की स्पीड से बढ़ी है। इस साल वह सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं।

सेंसेक्स की 10 टाप कंपनियों में आठ का मार्केट कैप 3.28 लाख करोड़ बढ़ा

- टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक लाभ हुआ

नई दिल्ली।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख घरेलू कंपनियों में आठ ने अपने बाजार पूजीकरण (मार्केट कैप) में 3.28 लाख करोड़ रुपये जोड़े। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक लाभ हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और आईटीसी को लाभ हुआ। इन कंपनियों ने अपने बाजार मूल्यांकन में कुल 3,28,116.58 करोड़ रुपये जोड़े। भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में गिरावट हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 80,828.08 करोड़ रुपये बढ़कर 14,08,485.29 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 58,258.11 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 6,05,407.43 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 54,024.35 करोड़ रुपये बढ़कर 19,88,741.47 करोड़ रुपये और इंफोसिस का मूल्यांकन 52,770.59 करोड़ रुपये बढ़कर 6,36,630.87 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 32,241.67 करोड़ रुपये बढ़कर 11,96,325.52 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 32,080.61 करोड़ रुपये बढ़कर 8,10,416.01 करोड़ रुपये हो गया। दूसरी ओर एलआईसी का मूल्यांकन 12,080.75 करोड़ रुपये घटकर 6,28,451.77 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 178.5 करोड़ रुपये घटकर 7,40,653.54 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल का नंबर आता है।

टोरंटो में मोटो क्राफ्ट आर्ट शो में एक कस्टम मोटरसाइकिल को देखते हुए लोग।

कर चोरी रोकने तंबाकू निर्माताओं के लिए नया फार्म जारी

नई दिल्ली ।

जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कर चोरी रोकने के लिए पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं के लिए एक नया फार्म जारी किया है। इस फार्म के जरिए निर्माता कच्चे माल और तैयार माल का ब्यौरा कर अधिकारियों को देंगे। यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 है। जीएसटीएन ने इससे पहले ऐसे निर्माताओं की मशीनों के पंजीकरण के लिए जीएसटी एसआरएम-1 फॉर्म जारी किया था। जीएसटीएन ने सात जून को अपने करदाताओं को सूचित किया, फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 नामक दूसरा फॉर्म भी पोर्टल पर उपलब्ध है। पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माण में शामिल करदाता अब संबंधित महीने के लिए खरीदे गए और खपत किए गए कच्चे माल और तैयार माल का विवरण बता सकते हैं। मूर सिंघी के एक अे धिकारी ने कहा कि नए फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 में कच्चे माल और तैयार माल का विस्तृत मासिक विवरण देना होगा। उन्होंने कहा कि इस फॉर्म का उद्देश्य पान मसाला और तम्बाकू उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

यात्री वाहनों का निर्यात पिछले चार वर्षों में 2.68 लाख इकाई बढ़ा

नई दिल्ली ।

बीते चार वित्त वर्षों में भारत से यात्री वाहनों के निर्यात में 2.68 लाख इकाई की बढ़ोतरी हो गई है। इस बढ़े हुए निर्यात में मारुति सुजुकी इंडिया की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में यात्री वाहनों का निर्यात 4,04,397 इकाई रहा। यह वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 5,77,875 इकाई और वित्त वर्ष 2022-23 में 6,62,703 इकाई हो गया। बीते वित्त वर्ष में निर्यात 6,72,105 इकाई रहा, जो 2020-21 के मुकाबले 2,67,708 इकाई अधिक है। इस निर्यात वृद्धि में मारुति सुजुकी ने 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। मारुति सुजुकी के निर्यात में वित्त वर्ष 2020-21 और वित्त वर्ष 2023-24 के बीच 1,85,774 इकाई की वृद्धि हुई। इस बारे में मारुति सुजुकी इंडिया के कॉरपोरेट मामलों के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अधिक मॉडलों की पेशकश करने, वैश्विक उत्पादन मानकों का पालन करने और टोयोटा के साथ गठजोड़ से निर्यात बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि कंपनी वर्तमान में दुनिया भर के लगभग 100 देशों में निर्यात कर रही है। कंपनी के शीर्ष विदेशी बाजारों में दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, चिली और मैक्सिको शामिल हैं। हुंदै ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1,63,155 इकाई और 2022-23 में 1,53,019 इकाई निर्यात की।

देश की मंडियों में अधिकांश तेल तिलहन कीमतों में गिरावट

- मांग बढ़ने से बिनौला तेल और बिनौला खल के दाम मजबूत बंद हुए

नई दिल्ली। सहकारी संस्था हाफेड द्वारा सरसों बिकवाली की पहल के कारण सरसों की कीमतों में उतार चढ़ाव रहने की वजह से शनिवार को देश की मंडियों में अधिकांश तेल तिलहन कीमतों में गिरावट देखी गई। मूंगफली तेल तिलहन के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे जबकि सरसों के महंगा होने के बाद बिनौला खल की मांग बढ़ने से बिनौला तेल और बिनौला खल के दाम मजबूत बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि नाफेड के द्वारा सरसों की बिक्री के लिए निविदा मंगाने की प्रक्रिया के कारण बाजार में उथल पुथल जैसी स्थिति है और इससे सबसे अधिक परेशान तेल उद्योग के कारोबारी हैं। सरसों के दाम में रोज घट बढ़ हो रही है जबकि किसानों के पास अभी सरसों का काफी स्टॉक बचा हुआ है। पिछले साल के सरसों का स्टॉक भी बचा हुआ है। ऐसे में हाफेड को सरसों बिक्री की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिये थी। इसका असर बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी हुआ तथा सरसों के अलावा सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में भी गिरावट आई। नयी सरकार को तेल तिलहन उद्योग की समस्याओं को बारीकी से समझकर एक सुस्पष्ट नीति बनानी चाहिये जिससे तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के साथ साथ पशुपालन उद्योग के लिए खल का उत्पादन भी बढ़े। इस दिशा में बिनौला के नकली खल कारोबार पर अंकुश लगाने की भी पहल करनी होगी। शे निवार को बाजार में तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 5,950-6,010 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,125-6,400 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 14,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,220-2,520 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 11,450 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 1,865-1,965 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,865-1,990 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,850 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 8,775 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 10,200 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,950 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 8,950 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना - 4,730-4,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,530-4,650 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,075 रुपये प्रति क्विंटल।

ओएनजीसी मुंबई हाई तेल क्षेत्र के लिए तलाश रहा विदेशी भागीदार

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) अपने प्रमुख तेल क्षेत्र मुंबई हाई के लिए विदेशी भागीदारों की तलाश कर रही है। इसके लिए उन्हें बढ़े हुए उत्पादन से राजस्व का एक हिस्सा और एक निश्चित शुल्क की पेशकश की गई है। हालांकि, कोई इक्विटी हिस्सेदारी नहीं दी जाएगी। ओएनजीसी ने एक जून को एक अंतरराष्ट्रीय निविदा जारी की, जिसमें कम से कम 75 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक राजस्व वाले वैश्विक तकनीकी सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) को आमंत्रित किया गया। टीएसपी को क्षेत्र के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा करनी होगी और सुधारों की पहचान करनी होगी। साथ ही उत्पादन में सुधार के लिए उपयुक्त तकनीकी हस्तक्षेप और प्रथाओं को लागू करना होगा। बोलीदाताओं से 10 साल की अनुबंध अवधि के दौरान तिमाही आधार पर वृद्धिशील उत्पादन के साथ ही बेसलाइन उत्पादन के बारे में बताना होगा। इसके अलावा बढ़े हुए तेल और गैस उत्पादन की बिक्री से मिलने वाले राजस्व में उन्हें कितना हिस्सा चाहिए, यह भी बताना होगा। बोलियां 15 सितंबर तक दी जानी हैं। निविदा दस्तावेज में कहा गया है कि उच्चतम वृद्धिशील उत्पादन और सबसे कम राजस्व हिस्सेदारी की पेशकश करने वाले टीएसपी को उसके प्रयासों के लिए एक निश्चित सेवा शुल्क भी दिया जाएगा। मुंबई हाई फील्ड भारत का सबसे बड़ा तेल क्षेत्र है, जो मुंबई तट से अरब सागर में लगभग 160 किलोमीटर दूर स्थित है।

जीप मेरिडियन एक्स स्पेशल एडीशन की बुकिंग शुरु

नई दिल्ली ।

भारत में जीप मेरिडियन एक्स स्पेशल एडीशन लॉन्च हो चुका है और इसकी बुकिंग भी प्रारंभ हो चुकी है। जीप की कीमत 34.27 लाख रुपये एक्स शोरूम रखी गई है। ग्राहक ऑनलाइन या ऑफलाइन डीलरशिप पर जाकर इसे बुक कर सकते हैं।

जीप मेरिडियन एक्स स्पेशल एडीशन को ऑफ-रोडिंग और सिटी राइड दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। जीप मेरिडियन एक्स स्पेशल एडीशन में नई साइड मोल्डिंग, पडल लैंप, प्रोग्रामेबल एम्बिएंट लाइटिंग, सन शेड्स, एयर प्यूरीफायर, लेड हेडलैम्प्स, इंटीग्रेटेड डीआरएल और 11.6-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। लॉन्च के मौके पर जीप इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर कुमार प्रियेश ने कहा- जीप मेरिडियन एक्स हमारे ग्राहकों के लिए नया ड्राइविंग अनुभव लेकर आएगी। इस स्पेशल एडिशन एसयूवी को ऑफ-रोड रोमांच और सिटी राइड के लिए तैयार किया गया है। नई जीप मेरिडियन एक्स स्पेशल एडीशन में एडवांस एक्सेसरीज़ और लेटेस्ट फीचर्स को जोड़ा गया है। इससे यह कार युवाओं को काफी पसंद आएगी। हमें उम्मीद है कि नई कार बाजार में नई क्रांति लेकर आएगी।

इस एडिशन में 2.0-लीटर, चार-सिलेंडर डीजल इंजन दिया गया है, जो 170 एचपी की पावर और 350 ए नएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स या वैकल्पिक 9-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक से जोड़ा गया है। यह गाड़ी सिर्फ 10.8 सेकंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 198 किलोमीटर प्रति घंटा तक है।

ब्रिटेन में निवेश करने में महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली नंबर वनः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करने वाले भारत के प्रमुख तीन राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग द्वारा तैयार की गई एक नई संयुक्त रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस सप्ताह लंदन में पेश की गई रिपोर्ट से पता चला कि महाराष्ट्र में मुख्यालय वाली कंपनियों ने 2023 में ब्रिटेन में सबसे अधिक 20 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया। इसके बाद कर्नाटक और दिल्ली का स्थान है। शीर्ष 10 राज्यों में गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और केरल शामिल हैं। यह भारत से ब्रिटेन में कुल एफडीआई का 78 प्रतिशत है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त ने लंदन में रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि भारत-ब्रिटेन गलियारे की पुनर्कल्पना करने वाले हमारे कारोबार सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को

साकार करेंगे। विश्लेषण में पाया गया कि कंपनियों और कर्मचारियों की संख्या के लिहाज से भारत से एफडीआई लाने वाला अग्रणी क्षेत्र आईटी और सॉफ्टवेयर है। रिपोर्ट के अन्य निष्कर्षों में एक यह भी है कि पिछले वर्ष ब्रिटेन के छात्र वीजा में पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ नए भारतीय छात्रों ने कुल मिलाकर ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों में अनुमानित 4.3 अरब पाउंड का योगदान दिया है।

टी20 विश्व कप: बांग्लादेश को हराने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

न्यूयार्क (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर अपनी लय बनाये रखने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक ग्रुप डी में अपने शुरुआती दोनो मैच जीते हैं , ऐसे में उसका लक्ष्य यहां भी जीत हासिल करना रहेगा। इस मुकाबले में हालांकि दोनों ही टीमों के लिए नासाउकाउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर खेलना आसान नहीं होगा। अब तक इस पिच पर कोई भी टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं, ऐसे में उसके लिए इस पिच पर खेलना बांग्लादेश के मुकाबले आसान रहेगा। बांग्लादेश ने इस मैदान पर एकमात्र अभ्यास मैच भारत से खेला था जिससे उसे करारी हार मिली थी जिससे उसका मनोबल कमजोर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए भी ये मुकाबला आसान नहीं है। इसका कारण है कि उससे नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले जीते हैं पर उसके बल्लेबाजों को यहां रन बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात ये है कि उसके गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए इस गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा। , दक्षिण अफ्रीकी टीम में एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाजों के साथ ही केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर भी है।दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अब तक रन नहीं बनाना रहा है। डच टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में उसकी टीम पहले 10 ओवरों में केवल 33 रन बना पाई थी। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की साझेदारी के कारण ही वह हार से बची। दक्षिण अफ्रीका के अभी दो मैच में चार अंक हैं और बांग्लादेश के खिलाफ जीत से सुपर 8 में जगह बनाने में उसे आसानी होगी।

वहीं आंकड़ों पर नजर डाले तो दक्षिण अफ्रीका की टीम अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट में बांग्लादेश से कोई मैच नहीं हारी है। बांग्लादेश ने इस टूर्नामेंट में श्रीलंका को हराया है और इसी से प्रेरणा लेकर वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी पर जीत के लिए उसके बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा। भारत के खिलाफ अभ्यास मैच के साथ ही श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में भी उसे बल्लेबाजों को रनों के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा था। बांग्लादेश की ओर से बल्लेबाजी में केवल लिटन दास ही कुछ हद तक रन बना पाये थे। बांग्लादेश को इस मुकाबले में जीत दर्ज करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अब तक के हुए मुकाबलों में लय में नहीं दिखे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

टीम

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

बांग्लादेश - नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद ह्रदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। यात्रा करने वाले रिजर्व- अफीफ हुसैन, हसन महमूद।

गॉफ और सिनियाकोवा ने फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। कोको गॉफ ने रविवार को यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर अपना पहला महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली 20 साल की अमेरिका की गॉफ और चेक गणराज्य की सिनियाकोवा ने जैस्मिन पाओलिनी और सारा इरानी की इटली की जोड़ी को सीधे सेट में 7-6, 6-3 से हराया। गॉफ ने तीसरी बार ग्रैंडस्लैम महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले उन्हें 2022 में रोलां गैरो पर ही और 2021 में अमेरिकी ओपन में खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

गॉफ ने कहा, ''तीसरी बार में भाग्यशाली रही। मेरे साथ खेलने के लिए धन्यवाद कैटरीना। टूर्नामेंट से दो दिन पहले हमने एक साथ खेलने का फैसला किया। प्रशंसकों को भी धन्यवाद। मुझे पता है कि रविवार को सुबह साढ़े 11 बजे अधिकांश लोगों के लिए जल्दी होता है। मेरे लिए यह जल्दी है।'' पाओलिनी को शनिवार को रोलां गैरो पर एकल फाइनल में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। स्वियातेक ने एकल सेमीफाइनल में गॉफ को हराया था।

सिनियाकोवा ने महिला युगल में अपनी जोड़ीदार बारबरा क्रेसिकोवा के साथ करियर स्लैम (चारों ग्रैंडस्लैम जीतना) पूरा किया है। वह फ्रेंच ओपन में 2018 और 2021 की भी महिला युगल चैंपियन हैं। इरानी भी अपनी पूर्व जोड़ीदार रॉबर्टा विन्सी के साथ युगल में करियर स्लैम पूरा कर चुकी हैं। इस जोड़ी ने 2012 में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। उसी साल इरानी को एकल फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

मैदान में बल्लेबाजों को परेशान करने में बहुत मजा आता है: सौरभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की पाकिस्तान पर जीत में भारतीय मूल के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने अहम रोल निभाया है। सौरभ ने सुपर ओवर में शानदार गेंदबाजी कर अमेरिका को जीत दिलाई। सौरभ भारत की ओर से अंडर 19 वर्ल्ड कप खेल चुका है। सौरभ का कहा कि उन्हें मैदान के बाहर 'कोडिंग' करने और मैदान के अंदर बल्लेबाजों को परेशान करने में बहुत मजा आता है। अमेरका ने पाकिस्तान को हराकर विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की है।बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने सुपर ओवर में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को लक्ष्य छूने नही दिया जिससे अमेरिका टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करने में सफल रही। इससे सौरभ चर्चा का विषय बन गए। सौरभ ने कहा कि यह केवल एक मैच था जिसमें हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमारा ध्यान अगले मैच पर है और सच कहूं तो अमेरिका की टीम में शामिल सभी खिलाड़ी अपनी उपलब्धियां को आत्मसात करने की कोशिश कर रहे हैं। सौरभा मुंबई के रहने वाले हैं और वह भारत की अंडर 19 टीम के सदस्य रहे हैं।

सौरभ पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने क्रिकेट और अपनी नौकरी के बीच सामंजस्य स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि वह कभी दबाव महसूस नहीं करते जब आप किसी चीज को पसंद करते हैं तब वह आपके लिए काम नहीं रह जाता है। इसलिए जब मैं मैदान पर होता हूं तो मुझे गेंदबाजी करना और बल्लेबाजों को परेशान करना पसंद है। जब मैं कोडिंग करता हूं तो मैं उसमें रम जाता हूं। इसलिए मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं जबरदस्ती कोई काम कर रहा हूं। अमेरिका टीम लगातार दो मैच जीतकर ग्रुप में चार अंक लेकर टॉप पर है। इस ग्रुप में भारत दो अंक के साथ दूसरे नंबर पर है जबकि पाकिस्तान को खाता खुलने का इंतजार है। अमेरिका का 12 जून को भारत से मुकाबाल होगा।

टीम इंडिया को रहना होगा होशियार, भारत-यूएसए का मुकाबला 12 को

- पाकिस्तान को हराकर अमेरिका ने क्रिकेट जगत में मचाया था तहलका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजबान अमेरिका ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को हराकर तहलका मचा दिया है। अमेरिका की इस विश्व कप में यह दूसरी जीत है। इससे पहले उसने कनाडा को हराकर इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत से की थी। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, आयरलैंड और अमेरिका की टीमें हैं। सुपर ओवर में पाकिस्तान को हराने वाली अमेरिकी टीम से भारत को होशियार रहना होगा। उसके खिलाड़ी फॉर्म में हैं और दबाव वाले क्षण में बिखरने के बजाए एकजुट रहते हैं। भारत और अमेरिका का विश्व कप के 25वें मैच में आमना सामना होगा। यह मुकाबला 12 जून को न्यूयॉर्क में खेला

जाएगा। अमेरिका ने टी20 विश्व कप में अभी तक दो मैचों में जीत दर्ज की है वह सिर्फ महज एक संयोग नहीं है। टीम ने दमदार खेल खेला है। अमेरिका की टीम में भारत, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका मूल के खिलाड़ी खेल रहे हैं। इनमें से कई ऐसे हैं जो अकेले दम पर मैच को पलटने का दम रखते हैं। अमेरिका ने टी20 विश्व कप में आने से पहले टी20 द्विपक्षीय सीरीज में बांग्लादेश को 2-1 से हराया था। अब टी20 विश्व कप में अमेरिका की टक्कर भारत से होने वाली है।

अमेरिकी टीम ने कनाडा के खिलाफ रिकॉर्ड 94 रन बनाने वाले एरोन जोंस को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था जबकि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले कप्तान मोनांक पटेल को यह अवॉर्ड दिया गया। अमेरका के ओपनर स्टीवन टेलर 26 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उनके नाम 754 रन दर्ज हैं। वह एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं। मोनांक पटेल के नाम 27 टी20 में 507 रन दर्ज हैं जिसमें तीन फिफ्टी शामिल हैं। साउथ अफ्रीकी मूल के एंड्रीज गॉस आठ मैचों में 261 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक हैं। वहीं मिडिल ऑर्डर में एरोन जोंस हैं। जोंस 28 मैचों में 514 रन बना चुके हैं। बॉलिंग में अमेरिका के पास सौरभ नेत्रवलकर के रूप में शारदार गेंदबाज है जो 29 विकेट टी20 में ले चुके हैं। अली खान के पास 10 मैचों में खेलने का अनुभव है जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। भारतीय मूल के हरमीत सिंह अपनी स्पिन गेंदबाजी से 8 मैचों में 7 विकेट ले चुके हैं। भारतीय टीम को अमेरिका के साथ रणनीति के तहत खेलना होगा क्योंकि यह टीम उलटफेर करने में माहिर है।

बालाजी ने भारतीय गेंदबाजों को फुल लेंथ गेंदबाजी फेंकने को कहा

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा है कि न्यूयॉर्क के नसाऊ क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भारतीय गेंदबाजों को ज्यादा फुल लेंथ गेंदबाजी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के खिलाफ हार के बाद पाक टीम का मनोबल गिरा रहेगा पर वह इस मैच मे जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अब तक शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अर्शदीप को छोड़कर टीम के सभी गेंदबाज तीनो प्रारूप खेलते हैं। साथ ही कहा कि सफलता के लिए आपको बुनियादी बातों पर जमे रहना होगा।

भारतीय क्रिकेटरों की मिली अमेरिकी राष्ट्रपति जैसी सुरक्षा, आईएसआईएस से मिली है धमकी

न्यूयॉर्क । आतंकी संगठन आईएसआईएस की धमकी को देखते हुए टी20 विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम को अमेरिकी राष्ट्रपति के स्तर की सुरक्षा मुहैया करायी गयी है। वहीं आईएसआईएस ने यहां भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच में हमले की धमकी दी थी। इसके बाद से ही सुरक्षाबलों ने स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी है। भारत ओर पाक के बीच केवल आईसीसी मुकाबलों में आमना-सामना होता है। ऐसे में इस मैच को लेकर प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। स्टेडियम में होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा बल सतर्क हैं। आयोजकों ने इस मैच में किसी भी प्रकार के खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये हैं। आईएसआईएस से मैच देखने आने वाले प्रशंसकों के लिए भी खतरे की आशंकाएं जतायी जा रही थीं पर अधिकारियों ने कहा है कि वे खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा पक्की करने के सभी प्रयास कर रहे हैं। नासाउ काउंटी पुलिस कमिश्नर पैट्रिक राइडर ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को इस कदर बढ़ाया गया है कि ये राष्ट्रपति को मिलने वाली सुरक्षा के समान हो गयी है। ऐसे में किसी भी प्रकार की कोई बाधा नहीं आयेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत में ही आईएसआईएस से मिली आतंकी धमकी के बाद मैच की सुरक्षा बढ़ा दी गयी थी।

पाक को कमजोर समझना गलत होगा : गेल

न्यूयॉर्क । वेस्टइंडीज के क्रिकेटर क्रिस गेल कहा है कि भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप विरोधी टीम का कम नहीं आंकना चाहिये। भारतीय टीम ने आयरलैंड पर जीत के साथ इस आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की है पर पाक के खिलाफ मुकाबला आसन नहीं रहेगा। अमेरिका के खिलाफ सुपर ओवर में पाक को हार का सामना करना पड़ा था। गेल ने इस अहम मैच को लेकर कि पाक टीम का मनोबल गिरा हुआ है और उसके लिए भारतीय टीम का सामना करना कठिन रहेगा। गेल ने हालांकि कहा कि इन दोनो टीमों के बीच मुकाबला रोमांचक रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। ऐसे में भारतीय टीम को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान को एकजुट होकर खेलना होगा। उन्होंने कहा कि अब एक और हार के साथ ही पाक टीम टूर्नामेंट से बाहर होगी। गेल ने अमेरिकी टीम के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की है। अमेरिकी टीम कनाडा और पाकिस्तान पर जीत के बाद ग्रुप ए अंक तालिका में शीर्ष पर है। उन्होंने कहा कि मैं भी पाकिस्तान पर अमेरिका की जीत से अभिभूत था। यह एक बहुत बड़ा परिणाम है जो न केवल उनके लिए अविश्वसनीय है बल्कि पूरे क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा संकेत है। आप विश्व कप में हमेशा कुछ उलटफेर की उम्मीद करते हैं और अमेरिका ने इस बार कनाडा के अलावा पाक को भी हराकर अपनी क्षमताओं को साबित किया है।

टी20 विश्वकप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से इंग्लैंड पर टी20 विश्वकप से बाहर होने का खतरा मंडराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम को टी20 विश्वकप क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी के इस मैच में इंग्लैंड ने 36 रनों से हराया। ऑस्ट्रेलियन टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 201 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा कतरे हुए इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 165 रन ही बना पायी। इससे इंग्लैंड पर विश्वकप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। इसका कारण है कि इंग्लैंड के दो मैचों के बाद सिर्फ एक अंक है और वह अंक तालिका में चौथे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम इंग्लैंड को हराकर ग्रुप में 4 अंक के साथ पहले नंबर पर है जबकि स्कॉटलैंड 3 अंक के साथ दूसरे और नामीबिया 2 अंक लेकर तीसरे नंबर पर हैं। हर

ग्रुप से सुपर-8 में शीर्ष-2 टीमें पहुंचेंगी। इंग्लैंड को सुपर-8 में जाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने के साथ ही स्कॉटलैंड के परिणाम पर भी नजरें रखनी होगी। अगर स्कॉटलैंड ने एक और मैच जीता और उसका नेटरनरेट बेहतर रहा तो इंग्लैंड टी20 विश्वकप से बाहर हो जाएगी।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल मार्श (35), ट्रैविस हेड (34), मार्कस स्टॉयनिस (30) और ग्लेन मैक्सवेल (28) रन की पारी खेली। मैथ्यू वेड ने 17 और टिम डेविड ने 11 रन बनाए।

इसके बाद 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की अच्छी शुरुआत रही। कप्तान व ओपनर जॉस बटलर (42) और फिल सॉल्ट (37) ने 7.1 ओवर में 73 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की पर बाद के बल्लेबाज इसका लाभ नहीं उठा पाये। जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

संजीवनी ने पोर्टलैंड में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में हासिल किया पहला स्थान

पोर्टलैंड (अमेरिका)। एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता धाविका संजीवनी जाधव ने पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफॉर्मेंस प्रतियोगिता में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ 32 मिनट 22.77 सेकंड में पूरी करके पहला स्थान हासिल किया। इस 27 वर्षीय धाविका ने इससे पहले भी पोर्टलैंड में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रही थी। इस स्पर्धा में भाग ले रही

एक अन्य भारतीय सीमा 32 मिनट 55.91 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के पदक विजेता अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में 8 मिनट 21.85 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 8 मिनट 11.20 का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए रजत पदक जीता था लेकिन यहां वह इस प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाए। महिला वर्ग में पिछले साल एशियाई खेलों में स्वर्ण (5000 मीटर) और रजत (3000 मीटर स्टीपलचेज) जीतने वाली पारुल चौधरी स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने नौ मिनट 31.38 सेकंड का समय निकाला, जो पिछले साल बुडापेस्ट में बनाए गए उनके नौ मिनट 15.31 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से लगभग 16 सेकंड अधिक था। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय प्रीति 10 मिनट 12.88 सेकंड का समय लेकर 20वें स्थान पर रही। कोलराडो में अभ्यास कर रहे भारत के कई एथलीट पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में भाग ले रहे हैं।

वसीम-वकार ने चुनी अपनी पसंदीदा टीम, एक ने भारत तो दूसरे ने किया पाक का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने रविवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेन इन ग्रीन के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मैच में भारत को जीतने का पसंदीदा बताया है। टूर्नामेंट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम बाबर आजम की पाकिस्तान के खिलाफ अधिक मजबूत दिखती है। भारत ने अपने शुरुआती मैच में आयरलैंड के खिलाफ आत्मविश्वास से भरी जीत दर्ज की, जबकि पाकिस्तान ने अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक सुपर ओवर में सह-मेजबान यूएसए से हार के साथ हुई। हाई-ऑक्टेन मुकाबले से पहले दोनों टीमों को नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच की अप्रत्याशितता का समान सामना करना पड़ेगा, जिसने टूर्नामेंट में अब तक टीमों के लिए एक कठिन चुनौती पेश की है। हालांकि भारत ने इस स्थल पर दो मैच खेले हैं, जबकि पाकिस्तान को अभी भी सतह के बारे में जानकारी नहीं है। टूर्नामेंट के मैच के लिए उनकी भविष्यवाणी के बारे में पूछे जाने पर अकरम ने मैच जीतने के लिए भारत को पसंदीदा बताने में संकोच नहीं किया, साथ ही इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मैच का परिणाम टी20आई में किसी भी तरफ बदल सकता है। अकरम ने कहा, 'अगर हम भारत के फॉर्म को देखें, तो भारत आम तौर पर एक बेहतर टीम है। एक तरह से बेहतर टीम है कि वे उस खेल में पसंदीदा हैं। मैं भारत को 60त्न और पाकिस्तान को 40त्न दूंगा। लेकिन यह टी20आई है, एक अच्छी पारी, एक अच्छा स्पेल, खेल जल्दी बदल सकता है। मुझे लगता है कि हर कोई टूर्नामेंट के खेल का इंतजार कर रहा है।' दूसरी ओर, अकरम के पूर्व साथी और घातक तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने उनके ठोस तेज गेंदबाजी आक्रमण के कारण पाकिस्तान का

पक्ष लिया है। यूनिस ने कहा, 'मेरा दिल पाकिस्तान की ओर है, लेकिन मैंने इस टूर्नामेंट में अब तक जो देखा है, उसके अनुसार न्यूयॉर्क की पिच तेज गेंदबाजों के लिए बहुत अनुकूल है। इसलिए यह न्यूयॉर्क की सतह की वजह से थोड़ा सा समतल है।'

पूजा तोमर ने रचा इतिहास, यूएफसी में जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय बनी

कंटकी। पूजा तोमर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बन गई है। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग ले रही पूजा ने यूएफसी लुइसविले में शनिवार को स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) मुकाबले में ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस पर 30-27, 27-30, 29-28 से विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। पूजा ने मुकाबले के बाद कहा, 'यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय फाइटर की जीत है। इससे पहले सभी सोचा करते थे कि भारतीय फाइटर चुनौती पेश नहीं कर सकते हैं। मैं केवल जीत के बारे में सोच रही थी और मैंने दिखाया कि भारतीय फाइटर हारने वालों में शामिल नहीं हैं।' 'साइक्लोन' के नाम से मशहूर 30 वर्षीय पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला बन गईं। अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने यूएफसी में विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुधाना गांव में जन्मी पूजा पांच बार की राष्ट्रीय वुशु चैंपियन हैं और कराटे और ताइक्वांडो में भी भाग लेती रही है। पूजा ने कहा, 'मुझे जीत की पूरी उम्मीद थी और मैंने काफी आक्रमण किया लेकिन मैं अपना शत प्रतिशत प्रदर्शन नहीं कर पाई। दूसरे राउंड में मैं दबाव महसूस कर रही थी। मुझे अभी काफी सुधार करने की जरूरत है।'

संचार की कमी से कुछ फैसले थे जो मेरे पक्ष में नहीं आए: श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह अपने शरीर पर काम करना चाहते थे लेकिन संचार की कमी के चलते उन्हें टीम इंडिया के साथ-साथ केंद्रीय अनुबंध से हाथ धोना पड़ा। पिछले साल मार्च में पहली बार पीठ में चोट लगने के बाद श्रेयस अय्यर वनडे विश्व कप में भी खेले और शानदार प्रदर्शन भी किया था। उन्होंने टूर्नामेंट में 530 रन बनाए थे।

श्रेयस अय्यर ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि वह वनडे विश्व कप के बाद अपने शरीर पर काम करने के लिए ब्रेक लेना चाहते थे लेकिन गलत संचार के कारण उन्हें निराशा मिली। वह रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जीतने में सक्षम होने पर खुशी व्यक्त करने से पहले बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करके झटके का जवाब देना चाहते थे। उन्होंने कहा कि विश्व कप मेरे लिए खास था। मैं उसके बाद ब्रेक लेना चाहता था, कुछ क्षेत्रों में अपनी ताकत बनाना चाहता था - संचार की कमी के कारण, कुछ फैसले थे जो मेरे पक्ष में नहीं आए। दिन के अंत में बल्ला हमेशा मेरे हाथ में रहेगा और प्रदर्शन करना और ट्रॉफियां जीतना मुझ पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि मैं जानता था कि एक बार जब मैं रणजी ट्रॉफी और आईपीएल जीत लूंगा, तो जो कुछ भी हुआ उसका यह एक उपयुक्त जवाब होगा। अतीत में, शुक्र है कि सब कुछ सही जगह पर हुआ, हमारे पास भविष्य में जीतने के लिए बहुत सारी ट्रॉफियां हैं।

अप्रैल 2023 में पीठ की सर्जरी कराने के बाद अय्यर ने कहा कि बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में नेट्स प्रक्टिस में खुद को कड़ी मेहनत करने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। सर्जरी के बाद, वह एनसीए में थे, नेट्स पर अभ्यास कर रहे थे। उन्होंने कि उन्होंने अपने जीवन में कभी इतने लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं की। वह हमेशा खुद को नेट्स में बल्लेबाजी करने से रोकता था क्योंकि मुझे शिकायत थी कि विकेट उतने अच्छे नहीं थे। अचानक, मैंने खुद से कहा कि खुद को कठिन परिस्थितियों में रखो क्योंकि युद्ध मैदान के बाहर जीता जाता है, मैदान पर नहीं। जब आप अपने दिमाग से खेलते हैं, जब आप खुद को कठिन परिस्थितियों में डालने के लिए अपने दिमाग को चुनौती देते हैं और आप खुद तय करते हैं कि आप जीतेंगे या नहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देवभूमि और श्रद्धालुओं की रक्षक धारी देवी

उत्तराखण्ड के श्रीनगर में प्राचीन एवं ऐतिहासिक धारी माता मंदिर विस्थापित किये जाने के बाद से कहा जा रहा है कि मंदिर से जैसे ही धारी माता की मूर्ति हटाई गई थी, उसके तुरंत बाद ही इस पर्वतीय राज्य में प्रलय जैसी स्थिति निर्मित हुई। हालांकि विज्ञान के इस युग में इस तर्क से सहमत नहीं हुआ जा सकता फिर भी स्थानीय लोगों का मानना है कि धारी माता मंदिर विस्थापन की वजह से ही यह तबाही आई। परंपरागत रूप से माना जाता है कि धारी माता, चारों धाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं और उत्तराखण्ड की जनता की रक्षक माता हैं। नवरात्रि के दिनों में यहां अच्छी खासी रौनक रहती है और दूर दूर से श्रद्धालु यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए मन्नत मांगने आते हैं।

श्रीमद् भागवत गीता में बताया गया है कि 108 शक्ति पीठों में से एक मां धारी देवी का पवित्र मन्दिर अलकनंदा नदी के किनारे श्रीनगर-बद्रीनाथ राजमार्ग पर स्थित है। कहा जाता है कि मां धारी देवी की इस मूर्ति का रूप समय के साथ बदलता रहता है। स्थानीय मान्यता के मुताबिक एक बार मंदिर में बाढ़ आ गई तो मूर्ति चल कर एक चट्टान पर आ गई और रोने लगी, जब ग्रामीणों ने मूर्ति का रोना सुना तो वे वहां पहुंचे तब दिव्य शक्ति ने उनसे उस जगह पर मूर्ति स्थापित करने के लिए कहा। तभी से वह मूर्ति वहां स्थापित थी जिसे हाल ही में विस्थापित किया गया। हालांकि धारी देवी की मूर्ति हटाने का भारी विरोध हुआ लेकिन कथित रूप से बिजली संयंत्र माफिया के दबाव के आगे प्रशासन झुक गया जो मंदिर की जगह एक बड़ा ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना चाहता था।

धारी देवी इस क्षेत्र की कुलदेवी भी हैं जिन्हें गांव के लोग सदियों से पूजते आए हैं। पौराणिक मान्यता है कि पिछले 800 सालों से धारी देवी अलकनंदा नदी के बीच बैठकर नदी की धारा को काबू में रखती थीं। 16 जून 2013 को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद धारी देवी का मंदिर नदी के बीच से हटाकर ऊपर सुरक्षित जगह पर लाया गया और उसी शाम केदारनाथ में बादल फटा। कुछ संतों का भी कहना है कि धारी देवी की मूर्ति को हटाया गया था और इसी कारण जलप्रलय हुआ जो निश्चित रूप से धारी देवी का ही प्रकोप है। उनका यह भी कहना है कि धारी देवी के गुस्से से ही केदारनाथ और उत्तराखंड के अन्य इलाकों में तबाही मची। धारी देवी देश के नास्तिक लोगों को समझाना चाहती थीं कि हिमालय और यहां की नदियों को ना छुआ जाए।

धारी देवी मंदिर को हटाने का विरोध इस तर्क के साथ भी हो रहा था कि मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होती है, हिंदू धर्म में माना जाता है कि मूर्ति में प्राण है, ऐसे में शक्तिपीठों में शामिल मां धारी देवी मंदिर को हटाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। साथ ही यह भी तर्क दिया जा रहा था कि यदि बांध बनेगा तो गंगा कहां बचेगी। गंगा की अविरलता से ही जीवन बचेगा। मां काली का रूप मानी जाने वालीं धारी देवी के इस मंदिर के बारे में यह भी कहा जाता है कि 1880 में भी धारी देवी को हटाने का प्रयास हुआ था, तब भी केदारनाथ में भयंकर बाढ़ आ गई थी। उसके पश्चात धारी देवी को फिर किसी ने हटाने का प्रयास नही किया। मान्यताओं के मुताबिक धारी देवी और केदारनाथ दोनों की स्थापना तंत्र-शास्त्र पर की गई है, जो पहाड़ों और नदियों की बाढ़ से इस क्षेत्र की रक्षा करती हैं।

भोजन से प्रभावित होता है मन

अध्यात्म में भोजन का बड़ा महत्व है। यदि यह ठीक न हो तो सूक्ष्म शरीर बिगड़ जाता है। याद रखिए जो हम अन्न खाते हैं, उसमें से एक चौथाई से मन बनता है, एक चौथाई से रक्त बनता है, एक चौथाई शुक्र में और एक चौथाई मल में जाता है। ऐसी चार प्रक्रिया घटती है। हमको मन, रक्त और शुक्र संभालकर रखना है और मल का परित्याग करना पड़ता है। देखिए हमारे शास्त्रों में कैसी-कैसी सूक्ष्म बातें भी बताई हैं।

भोजन और भजन के समय साधक का प्राणबल सतेज हो जाता है तो वातावरण के जो अणु होते हैं, वह उनके पास खींचे चले आते हैं। यदि रजोगुण, तमोगुण की स्थिति होगी तो उसके कण, उसके अणु, साधक के प्राण में आने लगते हैं। इसलिए हमारे ऋषियों ने जो कहा है उस पर ध्यान दिया जाए कि भोजन करते समय वातावरण शुद्ध रहे। हर कहीं बैठकर भोजन न किया जाए। हमारे संतों ने थकावट दूर करने के उपाय भी शास्त्र में बताए हैं। शास्त्र के सिद्धांत हमें अनुभूति में उतारना चाहिए। इसका एक बड़ा मनोवैज्ञानिक कारण भी है। संतुलित भोजन आपको थकान से बचाएगा। यह भी ध्यान रखें कि न अधिक आहार लें और न कम आहार लें। गीता में कहा है कि बहुत तपस्या वाला व्यक्ति तथा बहुत कम खाने वाला व्यक्ति भी क्रोध बहुत करता है। यदि अधिक जागता है या अधिक सोता है, वह भी ठीक नहीं। अति से किया हुआ योग दु:ख देता है। इसलिए जीवन में आहार शुद्ध एवं संतुलित करें। जब गृहस्थी में आहार शुद्ध होगा तो विचार शुद्ध होंगे, व्यवहार शुद्ध होगा और जब ये दोनों शुद्ध होंगे, तब प्रेम टिकेगा और प्रेम टिकेगा तो एक-दूसरे पर विश्वास टिकेगा और जब विश्वास टिकता है तो गृहस्थी स्वर्ग हो जाती है।

धूमधाम से निकलती है भगवान जगन्नाथ की सवारी

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को ओडिशा के पुरी नामक स्थान और गुजरात के द्वारका पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली जाती है। इस उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं का भक्ति भाव देखते ही बनता है क्योंकि जिस रथ पर भगवान सवारी करते हैं उसे घोड़े या अन्य जानवर नहीं बल्कि श्रद्धालुगण ही खींच रहे होते हैं। पुरी में श्री जगदीश भगवान को सपरिवार विशाल रथ पर आरुढ़ कराकर भ्रमण करवाया जाता है फिर वापस लौटने पर यथास्थान स्थापित किया जाता है। यह उत्सव अद्वितीय होता है। इस अवसर पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां एकत्र होते हैं।

भगवद भक्त इस दिन व्रत रखते हैं और उत्सव मनाते हैं। पुरी में जिस रथ पर भगवान की सवारी चलती है वह विशाल एवं अद्वितीय है। वह 45 फुट ऊंचा, 35 फुट लंबा तथा इतना ही चौड़ाई वाला होता है। इसमें सात फुट व्यास के 16 पहिये होते हैं। इसी तरह बालभद्र जी का रथ 44 फुट ऊंचा, 12 पहियों वाला तथा सुभद्रा जी का रथ 43 फुट ऊंचा होता है। इनके रथ में भी 12 पहिये होते हैं। प्रतिवर्ष नए रथों का निर्माण किया जाता है। भगवान मंदिर के सिंहद्वार पर बैठकर जनकपुरी की ओर रथयात्रा करते हैं जहां उनकी भेंट श्री लक्ष्मीजी से होती है। इसके बाद भगवान पुन: श्री जगन्नाथ पुरी लौटकर आसनरुढ़ हो जाते हैं।

दस दिवसीय यह रथयात्रा भारत में मनाए जाने वाले धार्मिक उत्सवों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतार जगन्नाथ की रथयात्रा का पुण्य सौ यज्ञों के बराबर माना जाता है। यात्रा की तैयारी अक्षय तृतीया के दिन श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा के रथों के निर्माण के साथ ही शुरू हो जाती है। जगन्नाथ जी का रथ गरुड़ध्वज या कपिलध्वज कहलाता है। रथ पर जो ध्वज है, उसे त्रैलोक्यमोहिनी या 'नंदीघोष' रथ कहते हैं। बलराम जी का रथ तलध्वज के नाम से पहचाना जाता है। रथ के ध्वज को उनानी कहते हैं। जिस रस्सी से रथ खींचा जाता है वह वासुकी कहलाता है। सुभद्रा का रथ पद्मध्वज कहलाता है। रथ ध्वज नदंबिक कहलाता है। इसे खींचने वाली रस्सी को स्वर्णचूडा कहते हैं।

रथयात्रा आरंभ होने से पहले पुराने राजाओं के वंशज पारंपरिक ढंग से सोने के हत्थे वाली झाड़ू से ठाकुर जी के प्रस्थान मार्ग को साफ करते हैं। इसके बाद मंत्रोच्चार एवं जयघोष के साथ रथयात्रा शुरू होती है। सर्वप्रथम बलभद्र का रथ तालध्वज प्रस्थान करता है। थोड़ी देर बाद सुभद्रा की यात्रा शुरू होती है। अंत में लोग जगन्नाथ जी के रथ को बड़े ही श्रद्धापूर्वक खींचते हैं। लोग मानते हैं कि रथयात्रा में सहयोग से मोक्ष मिलता है, अत- सभी श्रद्धालु कुछ पल के लिए रथ खींचने को आतुर रहते हैं। जगन्नाथ जी की यह रथयात्रा गुंडीचा मंदिर पहुंचकर संपन्न होती है। यह मंदिर वहीं पर स्थित है जहां विश्वकर्मा जी ने तीनों देव प्रतिमाओं का निर्माण किया था। यह भगवान की मौसी का घर भी माना जाता है। यहां भगवान एक सप्ताह प्रवास करते हैं और इस दौरान यहीं पर उनकी पूजा की जाती है। आषाढ़ शुक्ल दशमी को जगन्नाथ जी की वापसी यात्रा शुरू होती है। शाम तक रथ जगन्नाथ मंदिर पहुंच जाते हैं लेकिन प्रतिमाओं को अगले दिन ही मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के गर्भगृह में फिर से स्थापित किया जाता है।

परिष्कार करता है परिवर्तन

परिवर्तन जड़ और चेतन हर तत्व का स्वभाव है। यह प्रियता का भी प्रतीक है। मनुष्य सदा ही एक वातावरण में रहे, उसे नया स्पर्श और अनाघात गंध न मिले तो उसे अपने जीवन में नीरसता की अनुभूति होने लगती है। एक ही धान्य से कितने प्रकार के खाद्य पदार्थ बनाए जाते हैं, क्यों? पेट भरने के लिए तो एक ही प्रकार का पदार्थ पर्याप्त होता है। उससे पेट भरता भी है पर मन नहीं। इसलिए वह गृहिणी कुशल कहलाती है, जो सुरुचिपूर्ण भोजन तैयार करने के साथ उसमें विविधता रखती है। यही बात पहनावों के बारे में है। परिवर्तन रुचि का परिष्कार करता है। अत: वह सबके लिए मोहक प्रतीत होता है।

बाह्य परिवर्तन जब इतना मोहक होता है, तब भीतरी परिवर्तन की मोहकता तो असंदिग्ध है। जो व्यक्ति अपने भीतर बदलाव शुरू कर लेता है और उसका अनुभव कर लेता है, वह फिर नहीं बदलने की बात में विश्वास ही नहीं करता। परिवर्तन की अपरिहार्यता प्रमाणित होने के बाद प्रश्न यह होता है कि बदलने का क्रम क्या हो? क्रम का होना जरूरी भी है अन्यथा गलत परिवर्तन से व्यक्ति अपने जीवन की गुणवत्ता और रसमयता को खो भी सकता है। परिवर्तन की पृष्ठभूमि में प्रेक्षा की उपस्थिति आवश्यक है। यह मेरा गहरा अनुभव है।

आत्मा से आत्मा की प्रेक्षा के संदर्भ में एक प्रश्न यह आता है कि दृष्टा भी आत्मा है और दृश्य भी आत्मा। क्या आत्मा खंडित है? क्या एक ही शरीर में अनेक आत्माएं हैं? प्रश्न बिल्कुल सही है। इनका उत्तर सापेक्ष दृष्टिकोण से ही मिल सकता है। आत्मा अखंड है। यह बात जितनी सही है, उतनी यह बात कि आत्मा खंडों में विभक्त है।

जैन दर्शनानुसार आत्मा अनेक हैं। यह आठ हैं। द्रव्य, कषाय, योग, उपयोग, ज्ञान, दर्शन, चरित्र और वीर्य। इनमें सबसे पहले योग आत्मा को देखना है। योग आत्मा का अर्थ है-शरीर में होने वाले स्पंदन। शरीर में हर क्षण कितने प्रकम्पन हो रहे हैं।

यह अनुभूति साधारण स्थिति में नहीं होती। स्थिर होने का प्रयास होता है, स्पंदन उभर आते हैं। इनका उत्स है योग आत्मा, योग मन, वाणी और शरीर की चंचलता है, पर इसकी सर्जक है कषाय आत्मा। कषाय की प्रबलता कम हो तो योग की चंचलता भी क्षीण होने लगती है। इससे मुक्ति के लिए वीर्य आत्मा का सहारा लेना जरूरी है। इसलिए अपनी वृत्तियों को देखना, विकृतियों को देखना और उन्हें बदलने का प्रयत्न करना, अपने जीवन में नयापन लाना है।

क्या होती है महादशा-अन्तर्दशा?

भारतीय ज्योतिष के अनुसार ग्रह 9 माने गए हैं और इन 9 ग्रहों को 12 राशियों में बांटा गया है। सूर्य और चन्द्र के पास एक-एक राशि का स्वामित्व है, अन्य ग्रहों के पास दो- दो राशियों का स्वामित्व है। विंशोत्तरी गणना के अनुसार ज्योतिष में आदमी की कुल उम्र 120 वर्ष की मानी गई है और इन 120 वर्षों में आदमी के जीवन में सभी ग्रहों की महादशा पूर्ण हो जाती है। महादशा शब्द का अर्थ है वह विशेष समय, जिसमें कोई ग्रह अपनी प्रबलतम अवस्था में होता है और कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार शुभ-अशुभ फल देता है। ग्रहों की महादशा का समय निम्नानुसार है।

सूर्य- 6 वर्ष, चन्द्र-10 वर्ष, मंगल- 7 वर्ष, राहू- 18 वर्ष, गुरु- 16 वर्ष, शनि- 19 वर्ष, बुध- 17वर्ष, केतु- 7 वर्ष, शुक्र- 20 वर्ष।

इन वर्षों में मुख्य ग्रहों की महादशा में अन्य ग्रहों को भी भ्रमण का समय दिया जाता है, जिसे अन्तर्दशा कहा जाता है। इस समय में मुख्य ग्रह के साथ अन्तर्दशा स्वामी के भी प्रभाव-फल का अनुभव होता है। जिस ग्रह की महादशा होगी, उसमें उसी ग्रह की अन्तर्दशा पहले आएगी, फिर ऊपर दिए गए क्रम से अन्य ग्रह भ्रमण करेंगे।

ग्रहों की अन्तर्दशा का समय एफेमेरिज से निकाला जा सकता है। अधिक सूक्ष्म गणना के लिए अन्तर्दशा में उन्ही ग्रहों की प्रत्यंतर दशा भी निकाली जाती है, जो इसी क्रम से चलती है। इससे अच्छी-बुरी घटनाओं के ठीक समय का आकलन किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजा में फिर कत्ल-ए-आम, इजरायल ने 210 को मार डाला, कई घायल

गाजा। इजरायल और हमास के बीच युद्द लंबे समय से चल रहा है। दोनों देश आए दिन एक दूसरे पर गोलियां की बारिश करते रहते हैं। अब हाल ही में इजरायल ने गाजा से चार बंधकों को बचा लिया। लेकिन इजरायली सेना ने 210 लोगों की जान ले ली और हमले के दौरान 400 लोग घायल हो गए हैं। हमास के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान ये बात सामने आई है। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि ऑपरेशन के दौरान एक इजरायली बल कमांडर मारा गया। गजान के पैरामेडिक्स और निवासियों ने कहा कि हमले में कई लोग मारे गए। बाजार और मस्जिद के आसपास पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के क्षत-विक्षत शव बिखरे पड़े थे। इजरायल ने बचाए गए बंधकों का नाम नोआ अर्गामानी, 26, अल्मोग मीर जान, 22, एंड्री कोजलोव, 27 और श्लोमी जिव, 41 बताया है। इजरायली सेना ने कहा कि उन्हें मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाया गया और अब उनका स्वास्थ्य ठीक है। बता दें कि फलस्तीन संगठन हमास ने इन सभी का हमले के दौरान 7अक्टूबर में नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। रेस्क्यू ऑपरेशन और उसके साथ तेज हवाई हमला मध्य गाजा के अल-नुसीरत में हुआ, जो एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है और अक्सर इजरायल और हमास के बीच संघर्ष का क्षेत्र बना रहता है। एक इजरायली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगर ने कहा कि यह ऑपरेशन नुसीरात में एक आवासीय पड़ोस के मध्य में हुआ जहां हमास ने बंधकों को दो अलग-अलग अपार्टमेंट ब्लॉकों में रखा था। हमले के दौरान इजरायली सेना पर भीषण गोलीबारी हुई और उन्होंने आसमान से गोलीबारी करके जवाब दिया।45 साल के नुसीरत के निवासी जियाद ने भी इस घटना को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने एक मैसेजिंग ऐप के जरिए रॉयटर्स को बताया कि बमबारी एक स्थानीय बाजार और अल-अवदा मस्जिद पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा, चार लोगों को छुड़ाने के लिए इजराइल ने दर्जनों निर्दोष नागरिकों को मार डाला। आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों ने मृतकों और घायलों को पास के शहर दीर ??अल-बलाह में अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन कई शव अभी भी सड़कों पर पड़े हुए थे।

हंगरी में यूरोपीय संसद के चुनावों से पहले रिस्पैक्ट एंड फ्रीडम पार्टी के पीटर मेगयार के समर्थकों ने एक रैली निकाली।

जापान में घटती जन्मदर बनी चुनौती, बच्चे पैदा नहीं कर रहे लोग

टोक्यो। भारत-चीन जैसे देशों में आबादी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। भारत में तो बढ़ी आबादी को लेकर कानून बनाने की बात भी कही जा रही है। वहीं जापान में घटती जन्मदर एक चुनौती बन गई है। जापान में लोग बच्चे पैदा नहीं कर रहे हैं जिसकी वजह से जापान जनसांख्यिकीय चुनौती का सामना कर रहा है। जन्म दर में आई गिरावट को कम करने के लिए जापान सरकार लगातार प्रयार कर रही है। इसमें राज्य समर्थित डेटिंग ऐप का रोलआउट भी शामिल है। कम बच्चे पैदा होने का सबसे बड़ा कारण लोगों का शादी ना करना है। जापान में शादी करने वालों की संख्या में भी गिरावट आ रही हैं, वहीं तलाक के मामले बढ़ रहे है। ये प्रवृत्ति देश में जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जापान की प्रजनन दर बीते कई सालों से गिर रही है। अब ये निचले स्तर पर पहुंच गई है। जापान के स्वास्थ्य और कल्याण मंत्रालय के जारी नए आंकड़ों के मुताबिक करीब 12 करोड़ की आबादी वाले देश में पिछले साल केवल 7,27,277 बच्चे पैदा हुए। मंत्रालय के मुताबिक बीते साल देश में प्रजनन दर 1.26 से घटकर 1.20 रह गई है। प्रजनन दर को एक महिला के जीवनकाल में जन्मे बच्चों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। किसी जनसंख्या को स्थिर रहने के लिए 2.1 की प्रजनन दर की जरुरत होती है। इससे ऊपर प्रजनन दर होने पर जनसंख्या बढ़ती है। जापान में जनसंख्या का संतुलन बना रहे इसके लिए जापान की सरकार ने युवाओं को शादी करने और परिवार बढ़ाने के प्रयासों को तेज कर दिया है। सरकार ने इसके लिए डेटिंग ऐप लॉन्च किया है।

पहली बार किसी सार्वजानिक कार्यक्रम में दिखाई दी पुतिन की दोनों बेटियां

सेंट पीटर्सबर्ग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दुनिया काफी रहस्यमयी है। पुतिन से भी ज्यादा रहस्यमयी उनका परिवार है। आमतौर पर उनका परिवार कभी नजर नहीं आता। लेकिन हाल ही में उनकी दोनों बेटियां सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित एक प्रमुख आर्थिक फोरम में दिखाई दी। पुतिन की बेटियों का दिखाना बेहद दुर्लभ पल बताया जा रहा है। क्योंकि आमतौर पर पुतिन अपनी बेटियों को किसी और चीज में सक्रिय करते दिखाई नहीं देते है। इसलिए जब लोगों ने उन्हें देखा तब चौंक गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन अपने पारिवारिक जीवन के बारे में कभी कोई जानकारी नहीं देते। लेकिन 39 साल की मारिया वोरोन्त्सोवा और 37 साल की कतेरीना तिखोनोवा को उनकी बेटी माना जाता है। हालांकि, कभी खुद पुतिन ने उनके बारे में कभी पुष्टि नहीं की। न ही कभी उनके साथ कोई फोटो खिंचवाते हैं। एक भी तस्वीर उनके साथ नहीं मिलेगी। 2022 में अमेरिका ने इन दोनों को पुतिन की बेटी बताकर प्रतिबंधित किया था। तिखोनोवा रूसी सेना के लिए काम करती हैं और उन्हें आईटी के बारे में सपोर्ट करती हैं। वे रूस की तकनीकी पैनल में अहम पद पर हैं। वीडियो लिंक के माध्यम से दिए गए भाषण में तिखोनोवा ने कहा, देश की संप्रभुता हाल के वर्षों में एक प्रमुख विषय रही है। यह रूस की सुरक्षा का आधार भी है। पुतिन की दूसरी बेटी वोरोन्त्सोवा भी इसमें शामिल हुईं। बॉयोलॉजी रिसर्चर वोरोन्त्सोवा एक सरकारी जेनेटिक इंस्टीट्यूट का नेतृत्व करती हैं। उन्होंने जैव विविधता में नए प्रयोगों के बारे में बात की। कहा जा रहा है कि यह पहला मौका है, जब दोनों एक साथ आईं, और कई महत्वपूर्ण मसलों पर अधिकारियों को सलाह दी। बताते हैं कि पुतिन की पूर्व पत्नी ल्यूडमिला ने 1985 और 1986 में मारिया और कैटरीना नामक दो बच्चों को जन्म दिया, जबकि वे दोनों विवाहित थे। 2000 की शुरुआत क्रेमलिन ने पुतिन की छुट्टियों के दौरान की एक तस्वीर प्रकाशित की थी, जिसमें उनकी पत्नी और दो सुनहरे बालों वाली किशोर बेटियों को कैमरे से दूर कर दिया गया था, तथा उनके चेहरे छुपे हुए थे।

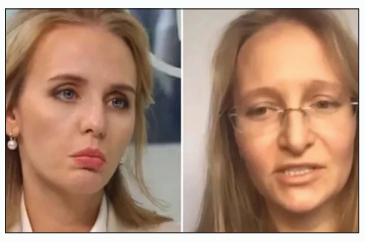

जीसस क्राइस्ट के जन्म से 1700 साल पहले भी हुआ था न्यूक्लियर वॉर

लंदन। शोधकर्ताओं का दावा है कि उन्हें इस बात के सबूत मिले हैं कि जीसस क्राइस्ट के जन्म से 1700 साल पहले भी न्यूक्लियर वॉर हुआ था। इस युद्ध ने इंसानों की जींस तक बदल दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बिली कार्सन नाम के एक वैज्ञानिक का दावा है कि उन्हें परमाणु धमाके के साफ साफ सबूत मिले हैं। जो रोगन के पॉडकास्ट में आए बिली कार्सन नाम के वैज्ञानिक ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान में मौजूद मोहेनजोदाडरो सभ्यता के पुरातात्विक स्थलों का दौरा किया। यहां उन्हें परमाणु धमाके के सबूत मिले। उन्होंने बताया कि इमारतें शीशा बन चुकी हैं और शव अब भी सड़कों पर पड़े हैं। जो कंकाल मिले हैं, उनमें लोग अपने हाथों को पकड़े दिख रहे हैं। इनसे पता चलता है कि रेडिएशन का लेवल काफी हाई था और इन्हें जानवरों ने भी नहीं खाया। बिली कार्सन ने बताया कि मोहेनजोदारो की सभ्यता काफी एडवांस थी। हालांकि इनके अचानक खत्म होने की वजह एस्टेरॉयड या कोई बाहरी तत्व माने जाते हैं लेकिन बिली का कहना है कि इससे शरीर की हड्डियां टूटी हुई मिलनी चाहिए। यहां मिले कंकाल बिल्कुल वैसा के वैसे हैं, इन पर जख्म या कुछ टकराने के भी निशान नहीं हैं। बिली की ये थ्योरी उनकी पुरानी थ्योरीज़ की तरह ही है, जिनमें उन्होंने कहा था कि धरती का आरंभ एलियन गॉड्स जैसी एक प्रजाति ने किया था। उन्होंने ही ऐसी जेनेटिक इंजीनियरिंग की थी, जिसकी वजह से इंसान भगवान में विश्वास करते हैं। वैज्ञानिकों ने ये दावा 4000 साल पुराने इंसानों के कंकालों के अध्ययन के बाद किया है। उन्होंने ऐसी-ऐसी बातें बताई हैं, जिन्हें जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

फिलीपीन्स के बाद वियतनाम पर चीन की बुरी नजर

हनोई। चीन दक्षिण पूर्व एशिया के अपने पड़ोसी देशों के साथ आक्रामक रुख अपना रहा है। कुछ समय से चीन और फिलीपींस के बीच टकराव की स्थिति बनी है, लेकिन अब दक्षिणी चीन सागर में एक और देश चीन के निशाने पर है। वियतनाम ने अब चीन के सर्वेक्षण जहाजों की पानी में बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताई है। वियतनाम ने चीन की इन गतिविधियों को अवैध बताया है। वियतनामी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता फाम थू हांग ने बताया कि वियतनाम ने चीन से अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र और महाद्वीपीय शेल्फ पर अवैध सर्वेक्षण गतिविधियों को रोकने की मांग की है। चीनी जहाजों की वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में घुसपैठ बढ़ी है, जो वियतनाम के खिलाफ खतरे को बढ़ा रही है। 2023 में एक चीनी सर्वेक्षण जहाज ने वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक महीने तक घुसपैठ की, जो देश के तट से 200 समुद्री मील तक फैला है। वियतनामी जलक्षेत्र में चीनी जहाजों के सर्वे करने को लेकर एक सवाल के जवाब में हांग ने कहा कि वियतनाम इन गतिविधियों को लेकर चिंतित है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उसने चीनी अधिकारियों से संपर्क किया है। वियतनामी ने कहा कि चीन के अंतरराष्ट्रीय कानूनों, खासतौर से 1982 से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन और पूर्वी सागर में पक्षों के आचरण पर घोषणापत्र का पालन करना चाहिए। चीनी सर्वेक्षण जहाजों की बढ़ती मौजूदगी उसकी बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत वह पूरी दक्षिणी चीन सागर पर अपना कब्जा जमाना चाहता है। ये इलाका तेल भंडार और प्राकृतिक गैस से समृद्ध है। यहां 11 अरब बैरल अप्रयुक्त तेल और 190 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस होने का अनुमान है।

अमेरिका ने शुरु की नाइजीरिया से सैनिक वापसी, संयुक्त बयान में दी जानकारी

नियामी। अमेरिका ने नाइजीरिया से सैनिकों की वापयी शुरू कर दी है। सैनिक वापसी को लेकर दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों ने शनिवार को एक संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में बताया गया है, कि अमेरिकी रक्षा विभाग और नाइजर गणराज्य के नाइजीरियाई राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि नाइजर से अमेरिकी सेना और संपत्ति की वापसी प्रारंभिक तैयारियों से लेकर पुन- तैनाती तक बढ़ गई है।

बंगाल की खाड़ी में सुरक्षा के लिहाज से गेमचेंजर बनेगी लिथियम बैट्री वाली पनडुब्बी

बर्लिन (एजेंसी)। भारतीय नौसेना अपने प्रोजेक्ट-75 के तहत छह पनडुब्बी खोज रही है। इन पनडुब्बियों में लिथियम-आयन बैटरी के साथ फ्यूल सेल एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक होगी, जो उन्हें लंबी अवधि तक समुद्र की गहराइयों में छिपने और तेज गति से बिनी अपनी लोकेशन बताए लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता देगा। भारतीय नौसेना सबसे बड़ी और सबसे तेज बनकर प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाए रखना नहीं चाहती, बल्कि सबसे शांत और घातक बनकर प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाए रखना चाहती है। जर्मन शिपबिल्डर थिसेनक्रुप भारत का कॉन्ट्रैक्ट लेने में सबसे आगे है। उसने अपनी 214-क्लास पनडुब्बियों की पेशकश की है।रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना की आवश्यकता के हिसाब से इसे बनाया जाएगा। ईंधन-सेल-आधारित एआईपी सिस्टम और लिथियम-आयन बैटरी का संयोजन भारतीय नौसेना के लिए एक गेम-चेंजिंग क्षमता लाएगा। चीन की बड़ी नौसेना के मुकाबले भारतीय नौसेना को एक विश्वसनीय पनडुब्बी बल की जरूरत है। ईंधन-सेल एआईपी पनडुब्बी को कम गति पर लंबी दूरी तक चलने की इजाजत देता है। जबकि लिथियम-आयन बैटरी इसे उसके टार्गेट पर पहुंचने के लिए हाई स्पीड से चलने की इजाजत देता है। यूरोपीय देश इसका इस्तेमाल नहीं करते, लेकिन जापान करता रहा है। फ्युहलिंग के मुताबिक पनडुब्बी लंबे समय तक पानी के नीचे रह सकेगी और हाई स्पीड से चल पाएगी, जो इसे और भी घातक बनाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की पनडुब्बी पानी में रहते हुए पूरे बंगाल की खाड़ी को कवर कर सकेगी।ये 212 सीडी पनडुब्बियों के उन्नत तकनीकी पहलुओं को एआईपी टेक्नोलॉजी से लैस करता है। 212 सीडी-क्लास पनडुब्बियां विशेष रूप से नॉर्वेजियन नौसेना के लिए बनाई गई हैं और बाल्टिक सागर में उनकी परिचालन आवश्यक्ताओं के हिसाब से बनाई गई हैं। 214-क्लास पनडुब्बियों को भारत की आवश्यक्ता के हिसाब से बनाया जाएगा। एआईपी टेक्नोलॉजी से जुड़े सबसे उन्नत बदलाव इसमें दिखेंगे। लिथियम आयन बैटरी से यह लैस होगा। इसमें एक उन्नत सेंसर और युद्ध प्रणाली होगी और इसमें स्टील्थ फीचर होगा, जो इसे दुश्मन के रडार पर नहीं आने देगा।

पाकिस्तान के पीएम ने चीन जाकर उठाया कश्मीर का मुद्दा, जिनपिंग बोले- एकतरफा फैसले नहीं ले सकता भारत

बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान शहबाज ने एक बार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने जिनपिंग को कश्मीर से जुड़े सभी नए अपडेट्स की जानकारी दी। बैठक के बाद जारी हुए जॉइंट स्टेटमेंट में चीन ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में भारत की एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर विवाद रहा है। इस मसले को शांति के साथ ह के चार्टर और ह्स्ष्ट के प्रस्तावों के तहत हल किया जाना चाहिए।

चीन पहले भी अलग-अलग मौकों पर कश्मीर को लेकर ऐसे बयान देता आया है, जिनका भारत ने हमेशा विरोध किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि कश्मीर पर भारत का क्या रुख है ये पूरी दुनिया जानती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमारा अभिन्न हिस्सा हैं और हमेशा रहेंगे। इस मामले में किसी भी देश के पास टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

चीन से निवेश बढ़ाने पर बातचीत

जिनपिंग से बैठक के बाद शरीफ ने बताया कि उन्होंने चीन से आपसी सहयोग और निवेश बढ़ाने लेकर बातचीत की। पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि वे पाकिस्तान के साथ आपसी साझेदारी और संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही चीन पाकिस्तान में विकास को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों देश इस नए युग में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास पर साथ मिलकर काम करेंगे।

भीषण गर्मी के चलते हज यात्रियों के लिए सऊदी सरकार ने जारी की एडवाइजरी

रियाद। हज करने दुनियाभर से लाखों मुसलमान मक्का पहुंच रहे हैं। सऊदी अरब सरकार ने हज यात्रा को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां की हैं। सऊदी सरकार ने हज यात्रियों को बेहतर सुविधा के लिए जरूरी कदम उठाए हैं, लेकिन भीषण गर्मी के चलते हज यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। मक्का शहर में बढ़ते तापमान से बचने के लिए जरूरी कदम उठाने की सलाह दी है।

भारत-पाकिस्तान में बराबरी के आधार पर दोस्ती करने का यह सही समय

-पाकिस्तानी के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने एक कार्यक्रम में कहा

इस्लामाबाद। देश के पीएम नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रुप में आज शपथ ले रहे हैं। इसको लेकर पाकिस्तान में भी हलचल है। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले पाकिस्तानी के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने शनिवार को कहा कि पुराने प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच बराबरी के आधार पर दोस्ती के लिए यह सही समय है। जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे चौधरी ने कहा कि इमरान खान और पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा भारत के दोस्त बनाने के पक्ष में थे। वर्ष 2023 में इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को छोड़ चुके चौधरी यहां 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल एजुकेशन' द्वारा आयोजित 'भारतीय चुनाव एवं दक्षिण एशिया पर आयोजित एक संगोष्ठी में बोल रहे थे।

चौधरी ने कहा कि भारतीय पंजाब यहां से महज कुछ किलोमीटर दूर है लेकिन पाकिस्तानियों को वहां जाने के लिए दुबई से उड़ान भरती पड़ती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कोई वीजा नहीं होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि दोनों चिर प्रतिर्द्वंद्वियों को बराबरी के आधार पर दोस्ती करने की जरूरत है। चौधरी ने चेतावनी दी कि भारत और पाकिस्तान को अगले 15 सालों में सिंधु बेसिन में बड़ी जल चुनौतियों का सामना करना होगा, इसलिए उन्हें एक दूसरे से बातचीत करना चाहिए ताकि ऐसी चुनौतियों का मिलकर सामना कर सकें।

उन्होंने कहा कि पानी के मामले को लेकर सहयोग कायम करने में विफल रहने पर यह क्षेत्र अस्थिर हो सकता है। उन्होंने कहा कि मोदी की भाजपा की चरमपंथ नीतियों एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में उसके सहयोगियों की नीतियों में वैचारिक अंतर संकेत देता है कि गठबंधन की एकता का बिखरना आसन्न है। उन्होंने कहा कि यह अस्थिरता बताती है कि बीजेपी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी जिससे राहुल गांधी अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

अमेरिका में खालिस्तानी समर्थकों ने इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली

- भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने किया प्रदर्शन, अमेरिका मौन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर में खालिस्तानी समर्थकों ने भारत की दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली झांकी निकाली। ऑपरेशन ब्लू स्टार के 40 साल होने पर यह आयोजन किया गया था। अब इसी तरह का मामला अमेरिका में भी सामने आया है, जो फ्रीडम ऑफ स्पीच के नाम पर भारत का विरोध करने की इजाजत दे रहा है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने 6 जून को इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली झांकी निकाली गई। वैसे तो अमेरिका दुनिया को हिंसा न करने का ज्ञान देता है, लेकिन जब खालिस्तान समर्थक भारत की प्रधानमंत्री की हत्या का महिमामंडन करते हैं तो वह आंखें मूंद लेता है इस हरकत पर वह वह मौन है।

कनाडा में इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाने वाले पोस्टर को लेकर ट्रूडो सरकार के एक मंत्री ने कहा कि कनाडा में हिंसा को प्रोत्साहन दिया जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय मूल के एक कनाडाई सांसद ने इस मुद्दे पर चिंता जताई और कहा की कि ऐसा करके खालिस्तानी समर्थक हिंदू कनाडाइयों के मन में हिंसा का डर पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की 1984 में सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। इस बीच कनाडा के हाउस ऑफ कामंस में नेपियन निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधित्व भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि वैंकूवर में खालिस्तान समर्थक गोलियों से छलनी भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शव और साथ में अपनी बंदूक लिये खड़े उनके हमलावर अंगरक्षक के पोस्टर के माध्यम से हिंदू-कनाडाइयों के मन में हिंसा का डर पैदा करने कोशिश कर रहे हैं।

आर्य ने कहा कि ब्रम्पटन में भी सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने हिंदुओं को भारत चले जाने की धमकी दी थी, यह उन्हीं धमकियों की निरंतरता है। आर्य ने कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यदि इसे यूं ही चलते रहने दिया गया तो संदेश देने के लिए इस्तेमाल की जा रही बंदूक की तस्वीरों से वाकई कुछ ऐसा न हो जाए। इंदिरा गांधी के माथे पर प्रमुखता से बिंदी को दर्शाना यह तय करना है कि लक्षित निशाने कनाडा में हिंदू हैं। भारत कहता रहा है कि कनाडा में अलगाववादियों, आतंकवादियों और भारत-विरोधियों को दी जाने वाली छूट कनाडा के साथ उसका मूल मुद्दा बना है।

पाकिस्तान में आतंकवादियों को मिल रही सुरक्षाकर्मियों से ज्यादा सैलरी

-खदानों की सुरक्षा के लिए सरकार आतंकियों को दे रही हफ्ता, इनमें बीएलए, टीटीपी शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान भले ही चीन को अपने देश में प्रोजेक्ट चलाने के लिए सुरक्षा देने के बड़े-बड़े वादे कर रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान राज्य की सरकार अपने खनन उद्योग को सुरक्षा नहीं दे पा रही है। खनन उद्योग को बचाने के लिए आतंकी संगठनों को 'हफ्ता' दे रही है।

सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को पैसा दे रही है ताकि वे माइनिंग कंपनियों के कर्मचारियों पर हमला ना करें। दरअसल, बलूचिस्तान प्रांत के हमाई, डेगारी, माच, जियारत, चामलंग और अबेगम में कोयले का बड़ा भंडार है। यहां 21 करोड़ टन कोयले का अनुमान है। यहां स्थित 60 किमी लंबी चामलांग कोयला खदानों में उच्च वाष्पशील सी बिटुमिनस से लेकर उच्च वाष्पशील ए बिटुमिनस का कोयला होता है, जिसका भंडार 60 लाख टन है।

बलूचिस्तान में 3 हजार खदानें

पाकिस्तान सरकार माइनिंग कंपनियों को सुरक्षा देने के नाम पर आतंकी संगठनों से सांठगांठ करने में लगी हुई है। बलूचिस्तान की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान माइनिंग सेक्टर का है। यहां 3 हजार से ज्यादा कोयला खदानें हैं। जहां 40 हजार से ज्यादा मजदूर काम करते हैं। गौरतलब है कि पाकिस्तान में हर साल 45.06 लाख टन टन कोयले का उत्पादन होता है और दुनिया में 34वें स्थान पर है।

बीएलए को ज्यादा पैसा

चामलंग खदानों से प्रतिदिन लगभग 200-250 ट्रक कोयला देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना होता है। कोयला 4000-4500 रुपए प्रति टन की कीमत पर बेचा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि कोयला खदानों से प्रत्येक टन खनन पर बलूचिस्तान सरकार को केवल 360 रुपए मिलते हैं। अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर को खदानों की सुरक्षा के लिए प्रति टन 240 रुपए दिए जाते हैं। वहीं, प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को खदानों और खनन खनिज ले जाने वाले ट्रकों पर हमला नहीं करने के लिए 260 रुपए प्रति टन दिया जाता है। यह राशि बैंक खाते के माध्यम से बीएलए को दी जाती है। वहीं, दूसरे प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को खदानों पर हमला न करने के लिए 60 रुपए और दिए जाते हैं। हालांकि पाकिस्तान सरकार बीएलए और टीटीपी जैसे प्रतिबंधित समूहों के साथ ऐसी व्यवस्था करने से इनकार करती है, जो अब बलूच आतंकवादी समूहों के साथ गठबंधन बनाने के बाद बलूचिस्तान में फैल गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में विकसित होगा महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट: सीएम शर्मा

उदयपुर। (एजेंसी)

वीरता, शौर्य और देशभक्ति को काल और भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। इनसे पूरी दुनिया को प्रेरणा मिलती है। महाराणा प्रताप के जीवन से विषम परिस्थितियों में भी पीछे नहीं हटने तथा सदैव, सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना राजस्थान सरकार का लक्ष्य है और इस दिशा में 100 करोड़ रूपए की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है। यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर के टाईगर हिल स्थित प्रताप गौरव केंद्र, राष्ट्रीय तीर्थ परिसर में आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह के बतौर मुख्य अतिथि कही।उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि प्रताप गौरव केंद्र पर आकर जिस गौरव की अनुभूति हो रही है उसे शब्दों में कहना असंभव है। 9 जून का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा हुआ है। मेवाड़ मुकुट, सनातन धर्म की आन-बान-शान, वीर शिरोमणि और हिंदुआ सूरज महाराणा प्रताप जी की जयंती है। उन्होंने महाराणा प्रताप को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि यह सुखद संयोग है कि 9 जून को ही नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें किसी भी कीमत पर संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा करना सिखाता है। नई पीढ़ी में ऐसे संस्कारों का संचार होना चाहिए। हम महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाना चाहते हैं। प्रदेश में जो भी पर्यटक आए, वह अपने साथ महाराणा प्रताप की शौर्य की गाथा साथ लेकर जाए। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों चावंड-हल्दीघाटी-गोगुंदा-कुंभलगढ़-दिवेर-उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित करने पर 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री ने वीर प्रसूता मेवाड़ धरा को नमन करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में राजपूताने का गौरवपूर्ण स्थान रहा है और इस राजपूताने में मेवाड़ का अपना एक विशिष्ट स्थान है। उन्होंने महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की शौर्यगाथा, मां पन्नाधाय के बलिदान,

भामाशाह के सर्वस्व अर्पण तथा बप्पा रावल, महाराणा कुंभा और महाराणा सांगा की वीरता, पराक्रम को भी याद किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के त्याग, बलिदान और स्वाभिमान की गौरवगाथा सुनाई। उन्होंने कहा कि आज हमारी संस्कृति, सभ्यता व धर्म रक्षित हैं तो उसका कारण यही है कि महाराणा प्रताप जैसे महापुरूष हुए, जो अपना राज्य बचाने के लिए नहीं बल्कि धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए लड़े। सर्वस्व त्याग कर जंगलों में रहकर और अभावों में जीवनयापन करके भी समर्पण नहीं किया। उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

टीडीपी के राम मोहन नायडू एनडीए सरकार में सबसे कम उम्र के कैबिनेट मंत्री होंगे

-पिता के निधन के बाद राजनीति में रखा था कदम, चंद्रबाबू नायडू के हैं खास

नई दिल्ली।

मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने जा रही हैं इस बार मोदी सरकार में उसके घटक दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दो सांसद मंत्री बनने जा रहे हैं। टीडीपी की ओर से दोनों सांसदों के नाम दे दिए हैं। इसमें राम मोहन नायडू किंजरापु कैबिनेट मंत्री और चंद्रशेखर पेम्मासानी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद की शपथ लेंगे। आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम सीट से तीसरी बार चुनकर आए राम मोहन नायडू (36) अबतक के सबसे कम उम्र के कैबिनेट मंत्री होंगे। राम मोहन नायडू का जन्म निम्माडा में 18 दिसंबर, 1987 को हुआ था। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री और टीडीपी नेता येरन नायडू के बेटे हैं। उन्हें राजनीति विरासत में मिली है.। राम मोहन ने शुरुआती पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल, आरके पुरम से की। उसके बाद अमेरिका से इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की। इसके बाद लॉन्ग आईलैंड से एमबीए किया। उन्होंने सिंगापुर में करियर बनाना शुरू किया था कि 2012 में कार हादसे में उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद वह राजनीति में आए और 2014 में 26 साल की उम्र में श्रीकाकुलम से पहली बार सांसद चुने गए और 16वीं लोकसभा में दूसरे सबसे कम उम्र के सांसद बने। राम मोहन नायडू को चंद्रबाबू नायडू का करीबी माना जाता है। उनकी गिनती अपने पिता येरन नायडू की तरह टीडीपी चीफ के करीबियों में होती है। जब चंद्रबाबू की गिरफ्तारी हुई, उस समय में राम मोहन ने दिल्ली में टीडीपी चीफ के बेटे नारा लोकेश के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राम मोहन करीब 9 साल से दिल्ली में एक्टिव थे। नारा लोकेश के साथ मिलकर उन्होंने टीडीपी चीफ की गिरफ्तारी के खिलाफ मोर्चा बनाया। चंद्रबाबू ने उन्हें ही दिल्ली की सभी यात्राओं में उनके साथ रहने की जिम्मेदारी सौंपी है।

राम मोहन नायडू को 2020 में संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। वहीं 2024 में उन्होंने अपनी सीट से 3.27 हजार वोटों से जीत हासिल की है। वह संसद की कई समितियों के सदस्य भी रह चुके हैं। राम मोहन ने 2017 में श्री श्रव्या से शादी है, 2012 में उनकी एक बच्ची हुई. वह न केवल पारिवारिक व्यक्ति हैं, बल्कि राजनीति में भी रूढ़िवादिता को तोड़ने का प्रयास करते हैं।

सीएम योगी ने उपचुनाव के लिए 3 वरिष्ठ मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी

लखनऊ । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद यूपी के सीएम योगी ने कैबिनेट मंत्रियों को फिर से जनता के बीच जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए जनहित सर्वोपरि है ऐसे में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। सीएम ने प्रदेश में होने वाले उपचुनाव के लिए 3 वरिष्ठ मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि बूथ और अपनी विधानसभा में हारने वाले मंत्री और विधायक कमियां दूर करें। सीएम योगी ने उपचुनाव को लेकर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है। सीएम ने इन तीनों मंत्रियों को सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो विधायक व मंत्री अपनी विधानसभा व बूथ पर हारे हैं वह कमियों को दूर करें। योगी ने कहा कि मंत्री क्षेत्र में जाएं और संवेदनशीलता के साथ जनता से संवाद करें तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों व शासन-प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए समस्याओं का समाधान कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रिगण केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें सोशल मीडिया पर सक्रियता बढ़ाएं और डबल इंजन सरकार की नीतियों व निर्णयों तथा उनके सकारात्मक परिणाम से जनता को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि मंत्रिगण हों या अन्य जनप्रतिनिधि सभी को वीआईपी संस्कृति से परहेज करना होगा। भावी कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में वृहद पौधारोपण, स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण के कार्यक्रम होने हैं। ऐसे में इनकी सफलता के लिए सभी को प्रयास करना होगा।

जेल से बाहर आएगा खालिस्तानी समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह

डिब्रूगढ़। (एजेंसी)

मार्च 2023 से एनएसए के तहत असम के डिब्रूगढ़ की जेल में बंद अमृतपाल सिंह अब सांसद बन गए हैं। पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से चुनाव जीत चुका खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह क्या शपथ ग्रहण के लिए जेल से बाहर आएगा? यह बड़ा सवाल है। मां-पिता ने बेटे को जेल से बाहर निकालने के लिए पूरा जोर लगाना शुरू कर दिया है। ऐसी जानकारी है कि अमृतपाल की रिहाई या पेरोल के लिए एक आवेदन भी दायर किया है। इससे पहले उसके माता-पिता जेल पहुंचे और सांसद बेटे के लिए मिठाई भी बांटी। अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर 5 जून से यहीं है। परिवारवालों का कहना है कि वे अमृतपाल की रिहाई की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। अमृतपाल ने खडूर साहिब लोकसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में 1,97,120 वोटों के अंतर से कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को हराकर जीत हासिल की थी। खडूर साहिब सीट पर आम आदमी पार्टी के लालजीत सिंह भुल्लर तीसरे स्थान पर रहे। अमृतपाल को 4,04,430 वोट मिले, जबकि जीरा को 2,07,310 और भुल्लर को 1,94,836 वोट मिले। बता दें कि अमृतपाल और उसके एक चाचा सहित कई खालिस्तानी समर्थक पिछले साल 19 मार्च से डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं।राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 में अस्तित्व में आया था। यह केंद्र और राज्य सरकारों का अधिकार है, जिसमें बिना किसी पूर्व सूचना के गिरफ्तारी की जा सकती है। इन कानून के तहत किसी भी व्यक्ति को 12 महीने तक हिरासत में रखने की अनुमति है।

सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल सिंह की रिहाई के लिए उसके परिवार ने पूरी तैयारी कर ली है। शपथ ग्रहण से पहले अमृतपाल जेल से बाहर निकले, उसके परिवारवाले जल्द ही पेरोल के लिए डीएम के समक्ष याचिका दायर करेंगे। इससे पहले सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वे असम के डिब्रूगढ़ पहुंच गए हैं।

ईपीएफओ ने पेंशनर्स को दी राहत, अब घर बैठे कर सकेंगे जीवन प्रमाण पत्र सब्मिट

-बारबार ऑफिस के चक्कर लगाने से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने 78 लाख से ज्यादा पेंशनर्स को राहत देने के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। इनमें डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी), जिसने पेंशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है। ईपीएफओ बायोमेट्रिक आधारित डीएलसी को ही मान्य करता है। इसके लिए पेंशनभोगी को किसी बैंक, डाकघर या कॉमन सर्विस सेंटर पर जाने की जरुरी नहीं, बल्कि हर साल जीवन प्रमाण पत्र घर बैठे ही सब्मिट हो जाता है। ईपीएफओ की इस सर्विस का इस्तेमाल करने वाले पेंशनर्स की तादाद में इजाफा हो रहा है। विगत 8 जून को पीआईबी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी आधारित डीएलसी जमा कराने वाले पेंशनर्स की संख्या 2022-23 में 2.1 लाख थी, जो 2023-24 में बढ़कर 6.6 लाख पर पहुंच गई। सालाना आधार पर इसमें तीन गुना की वृद्धि हुई। डलएलसी ने पेंशनर्स को ये बड़ी सुविधा दी है और पहले उन्हें जीवन प्रमाण पत्र जमा करने चक्कर काटने पड़ते थे, अब यह झंझट खत्म हो गया है।

बुजुर्ग पेंशनर्स को होने वाली परेशानियों के चलते साल 2022 में मेयटी और यूआईडीएआई ने फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी (एफएटी) विकसित की है। इसकी मदद से पेंशनर्श घर बैठे अपने स्मार्टफोन से लाइफ सर्टिफिकेट सब्मिट कर सकते हैं। इसमें चेहरे के स्कैन से पेंशनभोगी की पहचान तुरंत कर ली जाती है। यूआईडीएआई फेस रेकग्निश्न ऐप के इस्तेमाल से यूडीएआई आधार डेटाबेस पहचान का काम करता है। इसका प्रोसेस भी आसान है। फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के लिए स्मार्टफोन में आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप इंस्टॉल करना होगा।

इसके बाद दिए गए दिशा-निर्देशों के आधार पर फेस स्कैन किया जाता है। स्कैनिंग पूरा होने के बाद जीवन प्रमाण आईडी और पीपीओ नंबर के साथ मोबाइल स्क्रीन पर डीएलसी सबमिशन होने की पुष्टि की जाती है और घर बैठे ही ये काम आसानी से किया जाता है।

बांग्लादेश सांसद हत्याकांड:

फ्लैट के सेप्टिक टैंक में मिले मांस के टुकड़े

- एक संदिग्ध को नेपाल पुलिस ने किया गिरफ्तार, भारत किया प्रत्यर्पित

कोलकाता। (एजेंसी)

बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम की हत्या की जांच के सिलसिले में एक तलाशी अभियान में रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले में एक नहर के पास मानव हड्डियों के कुछ हिस्से बरामद किए हैं। यह नमूना मामले में एक प्रमुख संदिग्ध मोहम्मद सियाम हुसैन से पूछताछ के बाद भांगर के कृष्णामती गांव में बागजोला नहर के दक्षिण-पूर्वी तट पर मिले, जिसे नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था और भारत में प्रत्यर्पित किया था। सीआईडी ने कहा कि हड्डियों के हिस्से किसी इंसान के मालूम होते हैं, जैसा कि चिकित्सा अधिकारियों और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने बताया था, जो उस समय वहां मौजूद थे। उन्होंने बताया कि बिजॉयगंज बाजार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। हड्डी के हिस्सों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। बांग्लादेशी सांसद के शरीर के अन्य अंगों का पता लगाने के लिए तलाश जारी है। सीआईडी अधिकारियों ने न्यू टाउन इलाके के एक फ्लैट के सेप्टिक टैंक से मांस के टुकड़े बरामद किए थे, जिनका वजन करीब 3.5 किलोग्राम था, जहां सांसद को आखिरी बार 12 मई को देखा गया था। उन्होंने कहा कि हड्डियों और मांस के टुकड़ों का डीएनए की रिपोर्ट आने में एक सप्ताह का समय लगेगा। संदिग्ध हुसैन को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और शुक्रवार को भारत प्रत्यर्पित कर दिया। बांग्लादेश के सांसद के शरीर के अंगों और अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किए हथियारों का पता लगाने में सीआईडी की सहायता के लिए उसे रविवार को न्यू टाउन फ्लैट में भी ले जाया गया। हुसैन को अदालत ने सीआईडी की 14 दिन की हिरासत में भेजा दिया है।

शुरुआती जांच से पता चला है कि सांसद के करीबी दोस्त और अमेरिकी नागरिक अख्तरुज्जमां ने अपराध में शामिल लोगों को करीब पांच करोड़ रुपए दिए थे। सीआईडी ने कहा कि अख्तरुज्जमां के पास कोलकाता में एक फ्लैट है और संभवत- वह अमेरिका में है। पुलिस ने दावा किया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से संकेत मिलता है कि अवामी लीग नेता की पहले गला दबाकर हत्या की गई और उसके बाद उनके शरीर के टुकड़े कर दिए गए।

खालिस्तानी निज्जर हत्याकांड के बाद दो बार भारत आए कनाडा इंटेलिजेंस चीफ

-प्रधानमंत्री ट्रूडो ने हत्या का आरोप भारत पर लगाया था, संबंधों में आई खटास

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कनाडा में अज्ञात हमलावरों ने खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी थी। इस मामले में कनाडा की इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ दो बार भारत आ चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि कनाडा के इंटेलिजेंस चीफ ने भारतीय अधिकारियों के साथ निज्जर की हत्या को लेकर बातचीत की। कनाडा में सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सीएसआईएस) के डायरेक्टर डेविड विनियॉल्ट फरवरी और मार्च में भारत आए थे। इसके बाद ही कनाडा ने चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कनाडा के ही व्यक्ति ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि विनियॉल्ट ने भारतीय अधिकारियों के साथ अतिरिक्त जानकारी भी साझा की है। बता दें कि 18 सितंबर को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या का आरोप सीधे भारत पर लगाया था। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच तनाव पैदा हो गया। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। वहीं भारत ने कहा था कि कनाडा ने हत्या के संबंध में कोई सबूत नहीं दिया है। अगर पुख्ता सबूत दें तो भारत जांच उसकी मदद करेगा। जानकारी देने वाले शख्स ने बताया कि विनियाल्ट ने भारतीय अधिकारों को बातचीत की रिकॉर्डिंग्स, फन नंबर, मेसेजिंग ऐप से मिली जानकारी और कनाडाई जांच अधिकारियों द्वारा इकट्ठा की गई अन्य जानकारियां दीं। कनाडा के अधिकारी ने कहा कि इन जानकारियों को सार्वजनिक इसलिए नहीं कर सकते क्योंकि इसमें कुछ अमेरिका से भी मिली है। बता दें कि अमेरिका फाइव आइज इंटेलिजेंस में शामिल है और कनाडा का सहयोगी है। भारत की तरफ से इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। मई 2024 को जारी की गई पब्लिक रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि भारत शत्रुतापूर्ण गतिविधियों और जासूसी में शामिल है। इस रिपोर्ट में चीन, रूस, भारत और ईरान का नाम जासूसी के लिए लिया गया है। जानकारी के मुताबिक विनियाल्ट के दौरे के बाद कनाडा के अधिकारी चार बार भारत आए और भारतीय अधिकारियों के साथ सुरक्षा की चुनौतियों पर चर्चा की। कनाडा चाहता है कि भारत से होने वाली बातचीत गुप्त रहे। कनाडाई सरकार के अधिकारी ने कहा कि निज्जर मामले में सारी जानकारी भारत के साथ साझा की जाएगी। वहीं भारत का कहना है कि कनाडा ने निज्जर की हत्या से संबंधित कोई सबूत नहीं दिया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 13 मई को मुंबई में कहा था कि भारत जांच के लिए तैयार है लेकिन कनाडा ने कोई सबूत ही नहीं दिया है।

नीतीश के पास बेहतर मौका है बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का

पटना। (एजेंसी)

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और हाल ही में पाटलिपुत्र से सांसद चुनी गई मीसा भारती ने कहा है कि इस वक्त बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पास बहुत ही बेहतर मौका है बिहार को चमकाने का। वो केंद्र की राजनीति में किंग मेकर की भूमिका में हैं। ऐसे में चाहें तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाकर राज्य की तस्वीकर और तकदीर दोनों बदल सकते हैं। मीसा भारती ने कहा कि यह पुरानी मांग रही है और डबल इंजन की सरकार है। आज तक प्रधानमंत्री ने यह मांग पूरी नहीं की है, लेकिन ये अच्छा मौका है उन्हें मांग करनी चाहिए। प्रधानमंत्री को बिहार की मांग पूरी करनी चाहिए। मीसा भारती ने कहा कि नीतीश कुमार को मांग करनी चाहिए और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाना चाहिए और बंद चीनी मिलों को खुलवाना चाहिए। नीतीश कुमार का कहना था कि लोकसभा चनाव के बाद एक लाख नौकरियां देंगे। इस पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या-क्या कहते थे, लेकिन जब हम 17 महीने सरकार में आए तब तेजस्वी ने सभी मांग पूरी की। नीतीश जी इतना सपोर्ट कर रहे हैं तो बिहार को महत्वपूर्ण विभाग भी मिलने चाहिए। जिससे बिहार के विकास में योगदान मिल सके। हम लोग अग्नि वीर के अलावा जिन मुद्दों पर बात करते आए हैं उन्हें संसद में उठाएंगे। पाटलिपुत्र से नवनिर्चित सांसद मीसा भारती ने शनिवार को लैंड फॉर जॉब मामले में चार्जशीट दाखिल होने पर कहा कि ये पुराना मामला है, देखिए वह लोग क्या करते हैं। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री के ऑफर वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह मेरी जानकारी में नहीं है। मैं उस मीटिंग में नहीं थी। अब इसको केसी त्यागी ही क्लेरिफाई कर सकते हैं कि किस नेता का बयान है। नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि नीतीश कुमार किंगमेकर की भूमिका में हैं. तो वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल बड़ी उपलब्धि: रजनीकांत

मुंबई। साउथ फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत ने नरेन्द्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी और इसे बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने एक मजबूत विपक्ष सुनिश्चित किया है जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। रजनीकांत नई दिल्ली में नरेन्द्र मोदी और उनके नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने दिल्ली जा रहे थे। उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि नरेन्द्र मोदी का लगातार तीसरी बार पदभार ग्रहण करना बड़ी उपलब्धि है, मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। लोगों ने मजबूत विपक्ष चुना है जो लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। आने वाले पांच सालों में सरकार से उम्मीदों को लेकर पूछे गए सवाल में उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह सरकार सभी के लिए अच्छे काम करेगी।

टीएमसी के निशाने पर आए कार्तिक महाराज को मिली सुरक्षा

मुर्शिदाबाद। भारत सेवाश्रम संघ की बेंदांगा इकाई से जुड़े साधु कार्तिक महाराज पर लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए काम करने के आरोप लगे थे। इसके बाद महाराज टीएमसी के निशाने पर आए और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले महीने एक चुनावी रैली में कार्तिक महाराज पर भाजपा की ओर से काम कर मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में वोट देने के लिए प्रभावित करने का आरोप लगाया था। वहीं आशंका जताई जा रही थी कि महाराज पर कभी भी कोई जानलेवा हमला हो सकता है। इसको ध्यान में रखने हुए केंद्र सरकार ने उन्हे केंद्रीय सुरक्षा मुहैया करा दी है। सूत्रों के अनुसार, कार्तिक महाराज की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के चार जवानों को तैनात किया गया है। कार्तिक महाराज पर हमले की आशंका के बाद उन्हें केंद्रीय सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला लिया गया। पिछले महीने कार्तिक महाराज ने अपने आश्रम पर संभावित हमले के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने जनसभा को संबोधित करने के दौरान मुख्यमंत्री की टिप्पणियों को लेकर उन्हें कानूनी नोटिस भी भेजा था। अदालत में याचिका दायर करने के बाद कार्तिक महाराज ने मीडियाकर्मियों के सामने दावा किया था, उन्हें एक फोन कॉल आया था। फोन करने वाले ने बेलडांगा स्थित भारत सेवाश्रम संघ इकाई को ध्वस्त करने की धमकी दी थी।

केसी त्यागी के बयान पर पप्पू यादव बोले- अग्निवीर को खत्म करना चाहिए

पटना । एनडीए सरकार के गठन से पहले जदयू ने अग्निवीर और यूसीसी पर फिर से विचार करने की सलाह दी। पार्टी के प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि अग्निवीर योजना को लेकर मतदाताओं का एक वर्ग नाराज है। वहीं उनके इस बयान पर पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि निश्चित रूप से समीक्षा की जरूरत है, अग्निवीर को खत्म करना चाहिए। जहां तक यूसीसी का सवाल है बीजेपी अपने घटक दल से बात करें। मैं चंद्रबाबू और नीतीश कुमार से कहूंगा कि समाज में नफरत फैलाने वाले किसी प्रकार के कदम का आप समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि बिहार में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह क्यों नहीं हुआ? मैं चाहता हूं नीतीश कुमार और चिराग पासवान के भरोसे सरकार है तो आरक्षण लागू कराएं, जातीय जनगणना कराएं, विशेष राज्य का दर्जा लें, विशेष पैकेज लें। बिहार के बाढ़ की स्थिति के लिए बांध बनवाएं। अधिक से अधिक हवाई अड्डा हो। मैं चाहता हूं कि विकास हो। मेरी विचारधारा राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की है। पूर्णिया के विकास के लिए पीएम मोदी से मैं जरूर मदद लूंगा। बता दें कि जेडीयू प्रवक्ता त्यागी ने कहा था कि अग्निवीर योजना को लेकर मतदाताओं का एक वर्ग नाराज है। हमारी पार्टी चाहती है कि जिन कमियों पर जनता ने सवाल उठाए हैं उन पर विस्तार से चर्चा हो और उन्हें दूर किया जाए। यूसीसी पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर सीएम ने विधि आयोग प्रमुख को पत्र लिख चुके हैं। हम इसके खिलाफ नहीं हैं लेकिन सभी हितधारकों से बात करके इसका समाधान निकाला जाना चाहिए। वन नेशन, वन इलेक्शन का समर्थन करते हुए केसी त्यागी ने कहा कि हम एक देश एक चुनाव के समर्थन में हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई